ज्येष्ठ कृष्ण - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 300 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री मोदी के सहारे चुनावी नैया पार होने की उम्मीद है अनुप्रिया पटेल को

6 राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

7 वाणी कपूर ने महाकाल में लिया आशीर्वाद, 'नंदी' को बताई अपनी इच्छा

फर्स्ट टेक

मलयालम फिल्म निर्देशक उमर लुलु पर लगा दुष्कर्म का आरोप

कोच्चि/भाषा। केरल पुलिस ने एक महिला की शिकायत के आधार पर मलयालम फिल्मों के निर्देशक उमर लुलु के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। एर्णाकुलम ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि एक युवा अभिनेत्री की शिकायत के आधार पर निर्देशक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि शिकायत कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त से की गई थी ।

इजरायल के साथ युद्धविराम को लेकर बातचीत नहीं होगी : हमास

गाजा/एजेन्सी। हमास ने कहा है कि रविवार की रात दक्षिणी गाजा शहर राफा पर इजरायल के हमले के बाद वह गाजा पट्टी में युद्धविराम या कैदी विनिमय समझौते के लिए किसी भी बातचीत में भाग नहीं लेगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक हमास ने यह निर्णय इजरायली सेना द्वारा राफा के उत्तर-पश्चिम में विस्थापित नागरिकों के टेंटों को निशाना बनाने के जवाब में लिया है , जिसमें 10 से अधिक लोग मारे गए और घायल हो गए।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के दो आकाओं की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में मंगलवार को आतंकवादियों के दो आकाओं की संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों के दो आकाओं की लाखों रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के इन आकाओं का संबंध पाकिस्तान से है। उन्होंने बताया कि इनकी पहचान जम्बूर पट्टन निवासी जलाल दीन और कमलकोट उरी निवासी मोहम्मद साकी के रूप में की गयी है।

यूट्यूबर कटारिया को तीन दिन की पुलिस हिरासत

गुरुग्राम/भाषा। कथित मानव तस्करी के मामले में सोमवार को गिरफ्तार किए गए विवादास्पद यूट्यूबर बलवंत कटारिया उर्फ बॉबी कटारिया को शहर की एक अदालत ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कटारिया के पास से 20 लाख रुपये नकद, कुछ दस्तावेज और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी)-अपराध, वरुण दहिया ने कहा, ''आरोपी बॉबी कटारिया को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

29-05-2024 सूर्यास्त 6:41 बजे | 30-05-2024 सूर्योदय 5:52 बजे

	BSE	NSE
	75,170.45	22,888.15
	(-220.05)	(-44.30)

	सोना	चांदी
	7,458 रु.	91,797 रु.
	(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) को रामद्रोही बताते हुए कहा है कि लोकसभा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच है। उन्होंने पीपीगंज में गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी रवि किशन शुक्ल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक तरफ भगवान राम को नकारने वाले, रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले, राम मंदिर को बेकार बताने वाले लोग हैं तो दूसरी तरह पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त कराकर प्रभु रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान कराने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर पूरे भारत की सनातन आस्था का प्रतीक है इसलिए आज पूरे देश मे एक ही स्वर सुनाई पड़ रहा है, दिल्ली के सिंहासन पर रामभक्त ही राज करेगा।

योगी ने कहा कि तुष्टिकरण की राह पर चलने वाली कांग्रेस और सपा को देश की जनता वहां पहुंचा देगी, जहां उनका कोई नामलेवा नहीं होगा।

200 सीट के आंकड़े को पार नहीं कर पाएगी भाजपा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के '400 पार' के दावे को 'बकवास' करार देते हुए खारिज किया और कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में 200 सीट के आंकड़े को पार नहीं कर पाएगी।

खरगे ने अमृतसर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले आम चुनाव की तुलना में भाजपा की सीट घट रही हैं जबकि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन बढ़त बना रहे हैं।

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का दावा है कि उसे लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट मिलेंगी। भाजपा के इस दावे से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए खरगे ने कहा, ''जब आपकी (सीट) घट रही हैं और हमारी बढ़ रही हैं। '400 पार' भूल जाओ, यह 'बकवास' है। वे सरकार भी नहीं बना सकते और 200 सीट से आगे नहीं बढ़ पाएंगे।'' खरगे ने कहा कि भाजपा का तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में अस्तित्व नहीं है और कर्नाटक में मजबूत नहीं है। उन्होंने सवाल किया, ''आप महाराष्ट्र में कमजोर हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और ओडिशा में एक लड़ाई है।

घुसपैठ बड़ा संकट, कई इलाकों में आदिवासियों की संख्या कम हो रही : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुमका (झारखंड)/भाषा। घुसपैठ के कारण संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी कम होने का दावा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर घुसपैठियों को 'संरक्षण' देने का आरोप लगाया, जो उनके मुताबिक जमीन हड़प रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं।

दुमका में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने सुना है कि 'लव जिहाद' शब्द का ईजाद झारखंड के लोगों ने किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य के एक जिले में ईसाई समुदाय से जुड़े साप्ताहिक अवकाश का दिन रविवार से बदलकर शुक्रवार करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा, ''अब झारखंड में एक बड़ा संकट घुसपैठियों का हो गया है। हमारा ये संथाल परगना तो बहुत ज्यादा घुसपैठियों की चुनौती से जूझ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कई इलाकों में आदिवासियों की संख्या तेजी से कम हो रही है और घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और उनका जीवन खतरे में पड़ गया है।''

साल 2022 में हुई दो घटनाओं का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''आदिवासी बेटियों को 50 टुकड़ों में काटा जा रहा है... जिंदा जलाया जा रहा है... किसी की जीभ बाहर खींच ली गई। ये कौन लोग हैं, जो आदिवासी बेटियों को निशाना बना रहे हैं? झामुमो सरकार उन्हें संरक्षण क्यों दे रही है?''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने सुना है कि 'लव जिहाद' शब्द का ईजाद झारखंड के लोगों ने किया है। उन्होंने कहा, ''एक दोस्त मुझे बता रहे थे कि 'लव जिहाद' शब्द झारखंड से निकला है। झारखंड के लोगों ने इस शब्द को गढ़ा है।''

संदेशखालिः

सीबीआई ने शाहजहां शेख के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच जनवरी को संदेशखालि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर भीड़ द्वारा किए गए हमले के संबंध में निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख, उसके भाई और पांच अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है और उन पर आपराधिक साजिश तथा हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले में एजेंसी का पहला आरोपपत्र सोमवार को बशीरहाट विशेष अदालत के समक्ष दायर किया गया। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में शेख के घर पर छापेमारी करने गई ईडी की टीम पर करीब 1,000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था।

भारत को एक शक्तिशाली नेता और स्थिर सरकार की जरूरत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि दुनिया अभी तनावपूर्ण स्थिति में है तथा विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों के जल्द खत्म होने के आसार नहीं है और इन हालात में भारत को स्थिर सरकार व एक मजबूत और शक्तिशाली नेता की जरूरत है जिसे ''विश्व के हर बड़े नेता तक पहुंच (नेटवर्किंग), प्रतिष्ठा व सम्मान'' प्राप्त हो।

यहां मीडियाकर्मियों के एक चुनिंदा समूह के साथ बातचीत में जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-गाजा-ईरान में संघर्ष जारी है और भारतीय

सीमाओं पर भी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि एक स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि भारत में एक मजबूत नेतृत्व है। उन्होंने कहा, ''दुनिया तनावपूर्ण स्थिति में है और पहले से जारी संघर्ष इतनी जल्दी खत्म नहीं होंगे और इसलिए भारत को एक स्थिर सरकार, एक मजबूत और शक्तिशाली नेता की जरूरत है जिसकी दुनिया के हर बड़े नेता तक पहुंच हो और उसकी एक प्रतिष्ठा व सम्मान हो।'' जयशंकर ने पूछा, ''अगर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान आपका परिवार यूक्रेन में होता तो आप देश के शीर्ष पर किसे देखना चाहते - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या किसी अन्य चेहरे को।'' उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, ''मुझे लगता है कि आने वाले चार-पांच साल मुश्किल होंगे और मतदाताओं को समझदारी से मतदान करना चाहिए क्योंकि हमारी सीमाओं पर भी ऐसे ही संघर्ष हो सकते हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा कि चीन सीमा की उस भूमि पर सड़कें, पुल और आदर्श गांव बना रहा है जिसे 1962 में उसने छीन लिया था और उसने पाकिस्तान के साथ मिलकर सियाचिन तक एक सड़क बना ली थी।

मिजोरम में बारिश और भूस्खलन के चलते भारी तबाही, 22 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम में रेमल चक्रवात के प्रभाव के चलते मूसलाधार बारिश और भूस्खलनों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 13 की मृत्यु पत्थर खदान धंसने से हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिजोरम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एमएसडीएमए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एक भीषण

भूस्खलन के कारण आइजोल जिले में पत्थर की खदान धंसने से दो नाबालिगों समेत कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना आइजोल शहर के दक्षिणी बाहरी हिस्से में स्थित मेल्थम और ह्लिमेन के बीच के इलाके में सुबह करीब छह बजे हुई।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, अब तक 13 शव बरामद किए जा चुके हैं और आठ लोग अब भी लापता हैं। पत्थर की खदान धंसने से मरने वालों में चार साल का लड़का और छह साल की लड़की शामिल हैं।

आइजोल के उपायुक्त नाजुक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब तक मलबा साफ नहीं हो जाता, तब तक तलाश अभियान जारी रहेगा।

31 मई तक पैन को आधार से जोड़े करदाता : आयकर विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने करदाताओं को ऊंची दर पर कर कटौती से बचने के लिए 31 मई तक पैन को आधार से जोड़ने की सलाह दी है। आयकर नियमों के अनुसार, यदि स्थायी खाता संख्या (पैन) बायोमेट्रिक आधार से जुड़ा नहीं है, तो लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाना आवश्यक है। आयकर विभाग ने पिछले महीने एक परिपत्र जारी किया था जिसमें कहा गया था कि यदि निर्धारिती तारीख 31 मई तक अपने पैन को आधार से जोड़ा जाता है तो कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

विभाग ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' ऊंची दर पर कर कटौती से बचने के लिए कृपया 31 मई 2024 से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ें, यदि आपने पहले से नहीं किया है।''

आईटी विभाग ने एक अलग पोस्ट में बैंकों, विदेशी मुद्रा डीलर सहित रिपोर्टिंग संस्थाओं को दंड से बचने के लिए 31 मई तक एसएफटी दाखिल करने को भी कहा। विभाग ने कहा, '' एसएफटी (निर्दिष्ट वित्तीय लेनदेन का विवरण) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 मई 2024 है। सही और समय पर दाखिल करके दंड से बचें।'' रिपोर्टिंग संस्थाओं विदेशी मुद्रा डीलर, बैंक, उप-रजिस्ट्रार, एनबीएफसी, डाकघर, बॉन्ड/ऋणपत्र जारीकर्ता, म्यूचुअल फंड ट्रस्टी, लाभांश का भुगतान करने वाली या शेयर वापस खरीदने वाली कंपनियों का कर अधिकारियों के समक्ष एसएफटी रिटर्न दाखिल करना आवश्यक है।

केरल में अगले चार दिनों में दस्तक देगा मानसून

नई दिल्ली/एजेन्सी। दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले तीन-चार दिनों में केरल और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में पहुंचने वाला है, जिससे देश भर में भीषण गर्मी और लू की तपिश से बेहाल लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी बंगलादेश से अब चक्रवात रेमल पूर्व-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ गया है। शक्तिशाली तूफान मंगलवार शाम तक पूर्वी असम और आसपास के क्षेत्र में चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो जाएगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून बंगाल और बंगलादेश से गुजरने के बाद अगले सात दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

थूक फजीती

दल बाँट रहे महापुरुषों को,
अपनी खिसियाहट के कारण।
मृतकों को अपमानित करके,
लड़ रहे सियासत का वे रण।
कुछ शर्म करो दल धृतराष्ट्रों,
तक रहा वक्त तुमको प्रति क्षण।
इस थूक-फजीती को लख-सुन,
आक्रोशित है अब जन मन गण।।

स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड ने फलस्तीनी राष्ट्र को आधिकारिक रूप से मान्यता दी

बार्सिलोना/एपी। यूरोपीय संघ के इजराइल के साथ बढ़ते मतभेद के बीच स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड ने मंगलवार को फलस्तीन राष्ट्र को आधिकारिक रूप से मान्यता दी। यूरोपीय संघ में शामिल देश इजराइल पर गाजा में हमले रोकने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। दर्जनों देशों ने फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता दी है लेकिन किसी बड़े पश्चिमी देश ने अब तक ऐसा नहीं किया है। वहीं, इजराइल ने इस राजनयिक कदम की आलोचना की, जिसका गाजा में इसकी आक्रामक कार्रवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने मैड्रिड में प्रधानमंत्री आवास के द्वार पर खड़े होकर कहा, ''यह एक ऐतिहासिक फैसला है जिसका एकमात्र लक्ष्य है और यह लक्ष्य इजराइल और फलस्तीन के लोगों को शांति स्थापित करने में मदद करना है।'' इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में तुरंत स्पेन पर हमला बोला और कहा कि सांचेज की सरकार ''यहूदियों के खिलाफ नरसंहार को भड़काने और युद्ध अपराधों में शामिल हो रही है।'' इस बीच, स्पेन की तर्ज पर आयरलैंड और नॉर्वे ने भी फलस्तीन राष्ट्र को औपचारिक रूप से मान्यता देने की घोषणा की। दोनों देशों ने पिछले सप्ताह फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने की प्रतिबद्धता जतायी थी। इस घोषणा के बाद आयरलैंड की राजधानी डबलिन में संसद के बाहर फलस्तीनी झंडा लहराया गया।

पाकिस्तान ने 1999 में वाजपेयी के साथ किए गए समझौते का 'उल्लंघन' किया : नवाज शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मंगलवार को स्वीकार किया कि इस्लामाबाद ने भारत के साथ 1999 में उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा हस्ताक्षरित समझौते का 'उल्लंघन' किया है। उन्होंने जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल में किए गए हमले के स्पष्ट संदर्भ में यह बात कही।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का अध्यक्ष चुने जाने के बाद पार्टी की

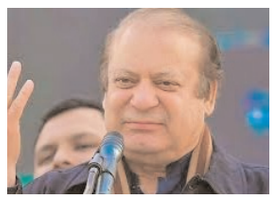

आम परिषद को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा, ''28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किये। उसके बाद वाजपेयी साहब यहां आये और हमारे साथ समझौता किया। लेकिन, हमने उस समझौते का उल्लंघन किया...यह हमारी गलती थी।''

शरीफ और वाजपेयी ने यहां 21 फरवरी, 1999 को लाहौर समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता के दृष्टिकोण की बात करने वाले इस समझौते ने एक बड़ी सफलता का संकेत दिया, लेकिन कुछ महीने बाद जम्मू-कश्मीर के करगिल जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण करगिल युद्ध हुआ।

पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाने के बीच शरीफ ने कहा, ''राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को परमाणु परीक्षण करने से रोकने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी लेकिन मैंने इनकार कर दिया। अगर (पूर्व प्रधानमंत्री) इमरान खान जैसे व्यक्ति मेरी सीट पर होते तो उन्होंने क्लिंटन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता।''

पर्वतारोही

भारतीय पर्वतारोही सत्यदीप गुप्ता एक ही सत्र में दो बार माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से की चोटियों को फहत करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। वह 11 घंटे और 15 मिनट में दोनों चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

सावरकर जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारत हिंदू महासभा कर्नाटक द्वारा विनायक दामोदर वीर सावरकर के 141 वे जन्मदिवस के उपलक्ष में प्रदेश प्रधान कार्यालय मल्लेश्वरम में आयोजित कार्यक्रम में वीर सावरकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज अलुन्गल और कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजयनगर मारुति मेडीकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत।

'भारतीय भाषाएं और एक भाषायी क्षेत्र के रूप में भारत' विषय पर सम्मेलन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'भारतीय भाषाएं और एक भाषायी क्षेत्र के रूप में भारत' विषय पर सम्मेलन का उद्घाटन किया

मैसूरु। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के निदेशक प्रो. शैलेंद्र मोहन ने मंगलवार को कई गणमान्य लोगों के साथ संस्थान के प्रीव्यू थिएटर में 'भारतीय भाषाएं और एक भाषायी क्षेत्र के रूप में भारत' नामक दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इसके बाद भारतीय भाषा परिवार पोर्टल का अनावरण किया गया। यह पोर्टल वर्तमान में 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों और वाक्यांशों सहित व्याकरणिक विशेषताएं और शब्दावली प्रस्तुत कर रहा है, जो भाषायी अन्वेषण में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने आगामी लक्ष्यों पर जोर दिया और कहा कि 22 भाषाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली यह पहल व्यापक प्रयास की शुरुआत का प्रतीक है। भारत की भाषा संबंधी विविधता का व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए और अधिक भाषाओं को शामिल करने की योजनाएं चल रही हैं।

पोर्टल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, सीआईआईएल के निदेशक ने भाषायी, सांस्कृतिक, समाजशास्त्रीय और पुरातात्विक साक्ष्यों को शामिल करते हुए एकता के भंडार के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया। इस पहल के जरिए विद्यार्थी विभिन्न भारतीय भाषाओं में साझा की जाने वाली ध्वन्यात्मकता, लिपियों, व्याकरण और शब्दावली की उत्पत्ति में गहराई से जान सकेंगे। वे क्षेत्रीय और स्वदेशी भाषा संबंधी बारीकियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही प्रमुख भारतीय भाषाओं में सामान्य वाक्यांश भी सीखेंगे।

प्रो. शैलेंद्र मोहन ने कहा कि यह पहल बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के एनईपी के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को भारत के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य में सार्थक बातचीत के लिए आवश्यक भाषायी कौशल से लैस करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा परिवार पहल वैज्ञानिक अध्ययन के माध्यम से एकता को बढ़ावा देकर भारतीय भाषाओं के विकास में समन्वय स्थापित करने के लिए स्थापित केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के प्रमुख उद्देश्यों के अनुरूप है।

डेक्कन कॉलेज, पुणे के वाइस चांसलर प्रो. प्रमोद कुमार पांडे ने पोर्टल बनाने में शामिल लोगों के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने भाषायी भिन्नता, जटिलताओं और इंडिक भाषाओं के भीतर कई भाषा परिवारों की उपस्थिति पर ध्यान केंद्रित करने वाले हालिया शोध पर प्रकाश डाला। प्रो. पांडे ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय भाषा परिवार पहल का उद्देश्य इन भाषाओं के बीच समानता की पहचान करना है, जिससे एक एकीकृत राष्ट्र के रूप में भारत की अवधारणा को मजबूत किया जा सके।

सीआईआईएल के सहायक निदेशक (प्रशासन) डॉ. पंकज द्विवेदी ने इस अनूठी पहल में भाग लेने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुजॉय सरकार और अन्य सभी लोगों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने पोर्टल के विकास और लॉन्च में अथक योगदान दिया।

Fortis

फोर्टिस मौजूदा अस्पतालों के विस्तार के लिए 1,300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली/भाषा। फोर्टिस हेल्थकेयर अगले कुछ वर्षों में मौजूदा अस्पतालों में क्षमता विस्तार के लिए 1,300 करोड़ रुपये तक का निवेश कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का लक्ष्य अगले कुछ साल में लगभग 2,200 रोगियों को भर्ती करने की क्षमता बढ़ाने का है।

फोर्टिस हेल्थकेयर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विवेक गोयल ने एक विश्लेषक वार्ता में कहा कि इसके लिए कुछ पूंजीगत निवेश पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ''अतिरिक्त पूंजीगत निवेश लगभग 1,200 करोड़ रुपये से 1,300 करोड़ रुपये होगा, जिसमें उपकरण भी शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता फरीदाबाद और आनंदपुर साहिब के अस्पतालों सहित विभिन्न मौजूदा अस्पतालों में रोगियों को भर्ती करने की क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रही है।

बच्चों ने पशु पक्षी अभ्यारण्य का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में संचालित नवकार संस्कार क्लास के बच्चों को 28 मई को कनकपुरा रोड स्थित प्राणी पशु पक्षी अभ्यारण्य का अनुभव दौरा कराया। धार्मिक अध्यापक एवं युवक संघ के सदस्यों के नेतृत्व में 70 बच्चों ने छोटे बड़े पशु पक्षियों को नजदीक से देखा और उनकी जीवनचर्या को अनुभव किया। प्राणी संस्था के व्यवस्थापकों ने संस्था के कार्य की बच्चों को जानकारी दी और बताया कि हमारे शोर से मासुम प्राणियों को परेशानी होती हैं। बच्चों ने भी कई सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा का परिचय दिया। बच्चों ने छोटे-छोटे और कई अद्भुत पशु पक्षियों की आवाज़ें सुनी। उनकी चाल देखी। बच्चों ने बहुत उत्सुकता से पशु पक्षियों का खान-पान देखा और वहां के व्यवस्थापकों के निर्देशन में सभी को हाथों से छू कर देखा और प्यार किया।

महिला मंडल से सूरजी बाई छाजेड, इन्दिरा बाई गादिया, किरण बाई गादिया, पिंकी चोरडिया, राजेश्वरी तातेड तथा युवक संघ के मंत्री गौतम बांठिया इस अनुभव यात्रा में सम्मिलित थे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मांगलिक प्रदान कर यात्रा बस को रवाना किया।

सावरकर फ्लाई ओवर के साइनबोर्ड पर 'कालिख' पोतने के कारण एनएसयूआई के 3 कार्यकर्ता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के येलहंका में हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर के नाम पर बने फ्लाई ओवर के साइनबोर्ड पर कालिख पोतने के आरोप में एनएसयूआई के तीन कार्यकर्ताओं को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सावरकर जयंती पर हुई। पुलिस के अनुसार, कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने फ्लाई ओवर का नाम बदलने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

उन्होंने कथित तौर पर बोर्ड पर सावरकर के नाम पर कालिख पोत दी और 'भगत सिंह फ्लाई ओवर' नाम का एक बैनर लगा दिया और भगत सिंह की तस्वीरें दिखाते हुए 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्होंने बोर्ड पर कालिख पोत दी। हमने सार्वजनिक संपत्ति विनाश एवं नुकसान रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने एनएसयूआई का स्कार्फ पहन रखा था। उन्होंने बताया कि बोर्ड को बाद में बहाल कर दिया गया। भाजपा जब सत्ता में थी, तब कांग्रेस और कुछ वर्गों के विरोध के बीच इस फ्लाई ओवर का नाम सावरकर के नाम पर रखा गया था। कर्नाटक विस में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने इस घटना के बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने एक्स' पर लिखा, वीर सावरकर की तस्वीर कर्नाटक में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी, वहीं कर्नाटक कांग्रेस और उसके सहयोगी बेंगलूरु में वीर सावरकर फ्लाईओवर के साइनबोर्ड को विरूपित करके उन्हें बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, कांग्रेस महात्मा गांधी और बाबासाहेब अंबेडकर के मूल्यों को कब छोड़ चुकी है, जो वीर सावरकर की सराहना करते थे, लेकिन उन्हीं में से एक इंदिरा गांधी के बारे में क्या, जिन्होंने वीर सावरकर को एक महान क्रांतिकारी माना था?

प्रज्ज्वल की कथित संलिप्तता वाले यौन उत्पीड़न के वीडियो वितरित करने को लेकर दो व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इन दोनों व्यक्तियों ने जनता दल (सेक्युलर) नेता द्वारा कई महिलाओं का कथित तौर पर यौन शोषण किये जाने के वीडियो वाले 'पेन ड्राइव' वितरित किये थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों व्यक्तियों को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वे उच्च न्यायालय पहुंचे। एसआईटी अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए।

इन दोनों व्यक्तियों ने कथित तौर पर वे 'पेन ड्राइव' वितरित किये थे, जिनमें मौजूद वीडियो में प्रज्ज्वल रेवन्ना (33) को महिलाओं का कथित यौन उत्पीड़न करते देखा जा सकता है। प्रज्ज्वल, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते हैं। इन वीडियो का सोशल मीडिया पर प्रसार हुआ था और राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने आरोपों की जांच के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को पत्र लिखा था, जिसके बाद यह कदम उठाया था। हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार प्रज्ज्वल इस सीट पर मतदान होने के बाद, 27 अप्रैल को कथित तौर पर देश से बाहर चले गए थे और एसआईटी के समन जारी करने पर उसके समक्ष पेश नहीं हुए हैं। इंटरपोल ने एक ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया है और एक अदालत ने फरार'' सांसद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। सोमवार को सामने आये एक वीडियो में प्रज्ज्वल ने कहा कि वह 31 मई को एसआईटी के समक्ष पेश होंगे।

तीसरी मंजिल से गिरकर झारखंड के एक कारीगर की मौत

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में एक कंपनी में काम कर रहे झारखंड के एक व्यक्ति की तीसरे तल से गिरकर मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले मंगरा उरांव नामक 38 वर्षीय एक व्यक्ति की पिछली रात लगभग सवा दो बजे हाइड्रोक्रेकर प्लांट' में काम करते समय तीसरी मंजिल से नीचे गिर कर मौत हो गयी। वह राज्य में दस वर्षों से 'जेसी इंजीनियरिंग' कंपनी में 'फिटर' के रूप में काम कर रहा था।उन्होंने बताया कि तीसरे तल से गिर जाने के बाद मंगरा को श्रीनिवास अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने वहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मंगरा के परिजनों को सूचित कर पुलिस ने उसके शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस संबंध में सूरतकल थाने में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इंदौर में मुकदमा खारिज किए जाने से नाखुश वादी ने न्यायाधीश की ओर जूतों की माला फेंकी

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर की जिला अदालत में दीवानी मुकदमा खारिज किए जाने से नाखुश 65 वर्षीय एक वादी ने मंगलवार को एक न्यायाधीश की ओर कथित रूप से जूतों की माला फेंक दी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के मुताबिक मोहम्मद सलीम (65) ने जिला अदालत में यह आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था कि आजाद नगर क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करते हुए एक मस्जिद का निर्माण किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विनोद कुमार दीक्षित ने संवाददाताओं को बताया कि जिला अदालत के एक न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलों पर गौर के बाद सलीम का दीवानी मुकदमा खारिज करने का फैसला सुनाया और पाया कि मस्जिद अतिक्रमण करके नहीं बनाई गई है। उन्होंने कहा, अदालत का यह फैसला सुनते ही सलीम ने अपने कपड़ों में छिपाकर लाई जूतों की माला निकाली और न्यायाधीश की ओर फेंक दी।'' दीक्षित ने कहा कि न्यायाधीश की ओर जूतों की माला फेंकने की घटना के दौरान सलीम का बेटा मोहम्मद रईस भी अदालत कक्ष में मौजूद था । उन्होंने कहा कि पिता-पुत्र के खिलाफ संबद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

घोटाले की जांच: मप्र सरकार ने 66 नर्सिंग कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश सरकार ने कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की सीबीआई जांच के सिलसिले में उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार 31 जिलों में 66 नर्सिंग कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है। यह घोटाला कई नर्सिंग कॉलेजों के कामकाज में घोर अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें बुनियादी ढांचे की कमी है। कुछ कॉलेज केवल कागजों पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उच्च न्यायालय के आदेशानुसार 31 जिलों में 66 नर्सिंग कॉलेजों को बंद करने का निर्देश दिया है। यादव ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इन नर्सिंग कॉलेजों का कोई भी छात्र प्रभावित न हो और उनके लिए परीक्षा में बैठने की व्यवस्था की जाए।

सीएमओ ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त ने इन कॉलेजों की सूची संबंधित जिलाधिकारियों को भेज दी है और उन्हें उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कार्य करने के लिए कहा है। इन कॉलेजों की मान्यता पहले ही रद्द कर दी गई है। इंदौर समेत कई जिलों में ऐसे कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी गई। सूची में बैतूल के आठ, भोपाल के छह, इंदौर के पांच, छतरपुर, धार और सीहोर के चार-चार, नर्मदापुरम के तीन, भिंड, छिंदवाड़ा, जबलपुर, झाबुआ, मंडला, रीवा, सिवनी और शहडोल के दो-दो कॉलेज हैं।

तेलंगाना: हैदराबाद में उपमुख्यमंत्री के आवास पर बम विस्फोट की धमकी

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एक अज्ञात व्यक्ति ने मंगलवार को कथित तौर पर फोन कर बताया कि तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एम. बी. विक्रमार्क के आधिकारिक आवास प्रजा भवन पर बम विस्फोट होने वाला है, जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर आगाह किया कि हैदराबाद शहर में प्रजा भवन में बम फटने वाला है। पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते की मदद से परिसर की तलाशी शुरू कर दी। तेलंगाना की पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया प्रजा भवन पहुंचीं और अधिकारियों व उपमुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर मामले पर चर्चा की।

मोदी ने तुष्टीकरण की संस्कृति को समाप्त किया: जितेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जाति या धर्म से परे समान सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करने के अलावा विपक्ष के शासनकाल के दौरान पनपी तुष्टीकरण की संस्कृति को समाप्त कर दिया। यह बात केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने मंगलवार को कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को मिले। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के शासनकाल में पनपी तुष्टीकरण की संस्कृति को खत्म कर दिया है। सरकार अब अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए काम करती है। पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के मामले में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। सभी को समान सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। जाति, पंथ या धर्म से परे सभी लोगों को अब समय पर सरकारी लाभ मिल रहे हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री ने कहा, अल्पसंख्यकों और विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में रहने वाले लोगों को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

उपराज्यपाल सक्सेना ने नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन की एसीबी जांच का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी में निजी नर्सिंग होम के पंजीकरण और नियामक प्रबंधन की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से जांच कराने का आदेश दिया है। राजनिवास के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत के बाद यह आदेश दिया गया है।

निजी अस्पताल में आग लगने की घटना के संदर्भ में मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में सक्सेना ने कहा, ''मैंने इस मामले में बहुत सख्त रुख अपनाया है। व्यापक जनहित को देखते हुए और अधिकारियों के एक वर्ग द्वारा गंभीरता की कमी के कारण मुझे कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।'' नोट में कहा गया, ''आग लगने और नर्सिंग होम से संबंधित मामले में... एसीबी को शहर में नर्सिंग होम के पंजीकरण की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह आकलन किया जा सके कि कितने नर्सिंग होम वैध पंजीकरण के बिना काम कर रहे हैं और क्या जिनके पास वैध पंजीकरण है वे दिल्ली नर्सिंग होम पंजीकरण अधिनियम, 1953 के तहत निर्धारित मानदंडों का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं।''

पत्र के मुताबिक, जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या स्वास्थ्य विभाग द्वारा पंजीकरण की मंजूरी या उसका नवीनीकरण 100 प्रतिशत स्थल निरीक्षण के बाद किया गया है। सक्सेना ने पत्र में कहा कि 1,190 नर्सिंग होम हैं, जिनमें से एक चौथाई से अधिक बिना वैध पंजीकरण के चल रहे हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, विवेक विहार इलाके में एक शिशु अस्पताल में आग लगने से पांच ऑक्सीजन सिलेंडर फट गए थे। यह अस्पताल बिना लाइसेंस और दमकल विभाग के अनापत्ति पत्र के बिना संचालित किया जा रहा था। इस घटना में छह नवजातों की मौत हो गई थी।

मुंबई के पास मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार शाम एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे गुजरात से मुंबई आने वाली ट्रेन प्रभावित हुईं। यह जानकारी रेलवे के एक प्रवक्ता ने दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ) सुमित ठाकुर ने यहां बताया कि घटना शाम करीब 5.10 बजे हुई और इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रेन पनवेल जा रही थी और उस पर लोहे के तार के बंडल (आयरन कॉइल) लदे थे।

ठाकुर ने कहा कि प्रभावित लाइन पर यातायात बहाल करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

मानसून, गन्ना उत्पादन पर निर्भर है चीनी निर्यात की अनुमति का मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत 2024-25 सत्र में अंतिम गन्ना बुवाई और उत्पादन का आकलन करने के बाद चीनी निर्यात की अनुमति दे सकता है। ब्राजील के बाद दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत अगले सत्र में चीनी उत्पादन कम यानी तीन करोड़ टन रहने की उम्मीद कर रहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों ने कहा कि सितंबर में समाप्त होने वाले मौजूदा 2023-24 सत्र में चीनी उत्पादन अबतक 3.15 करोड़ टन तक पहुंच गया है, अंतिम उत्पादन 3.18 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है क्योंकि तब तक तमिलनाडु और कर्नाटक में मिलें पेराई बंद कर देंगी। पिछले साल भारत में 3.28 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ था। सूत्रों ने कहा कि व्यापार जगत के अनुमान के अनुसार, कर्नाटक में कम बुवाई के कारण 2024-25 के सत्र में चीनी उत्पादन तीन करोड़ टन तक नीचे आने का अनुमान है।

सूत्रों में से एक ने कहा, ''उद्योग जगत ने 10 लाख टन चीनी के निर्यात की मांग की है। चूंकि हम अगले साल कम चीनी उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं और एथनॉल उत्पादन के लिए स्टॉक की आवश्यकता है, सरकार की प्राथमिकता घरेलू खपत के साथ-साथ एथनॉल के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करना है।''

पोर्श कार हादसे की जांच सीबीआई से कराई जाए, फडणवीस को इस्तीफा देना चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र की कांग्रेस इकाई ने पुणे के चर्चित पोर्श कार हादसे की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। पार्टी ने मंगलवार को कहा कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई की रात हुए हादसे में दो इंजीनियरों की मौत हो गई थी और जिस पोर्श कार ने मोटरसाइकिल सवारों को कुचला था उसे कथित तौर पर 17 वर्षीय एक किशोर नशे की हालत में चला था। किशोर न्याय बोर्ड द्वारा लड़के को जमानत दिए जाने का भारी पैमाने पर विरोध हुआ था जिसके बाद बोर्ड ने पांच जून तक उसे सुधार गृह में भेज दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि ससून जनरल अस्पताल अपराधियों के लिए पंच सितारा होटल बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य गंभीर सूखे का सामना कर रहा है और शराब पीकर वाहन चलाने एवं मादक पदार्थ की घटनाएं बढ़ रही हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, '' ऐसी घटनाएं नागपुर, जलगांव और पुणे से सामने आई हैं लेकिन आक्रोश करने वाली बात यह है कि सरकारी तंत्र सुनिश्चित कर रहा है कि आरोपी को तत्काल जमानत मिल जाए।'' उन्होंने कहा कि कार हादसे की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को करना चाहिए क्योंकि ऐसा दिख रहा है कि अमीर आरोपी को बचाने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप हो रहा है। पटोले ने आरोप लगाया कि जिस कार हादसे के आरोपी किशोर के साथ विधायक का बेटा था। उप मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि फडणवीस के गृहनगर नागपुर में दो लड़कियों ने दो युवाओं को अपनी कार से कुचल दिया और उन्हें 10 घंटे के भीतर जमानत मिल गई और इसी प्रकार की घटना जलगांव में हुई एवं आरोपी को बचाने की कोशिश की गई।

अदालत ने बिभव कुमार को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक अदालत ने मंगलवार को राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने के आरोपी बिभव कुमार को तीन दिन के लिए दिल्ली पुलिस की हिरासत में भेज दिया। बिभव कुमार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी हैं। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर 13 मई को आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य मालीवाल के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई थी। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने कुमार को 31 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। कुमार के वकील ने हिरासत में लेकर उनके मुवक्किल से पूछताछ करने की दिल्ली पुलिस की याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि उसके पास कोई सबूत नहीं है।

सिद्दरामैया और शिवकुमार को वरिष्ठ नेताओं से मशविरा करना चाहिए : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार को विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन के संबंध में उनके जैसे वरिष्ठ पार्टी नेताओं से मशविरा करना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब कर्नाटक विधान परिषद की 11 सीटों पर 13 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए पार्टी आलाकमान के साथ उम्मीदवारों पर चर्चा करने के लिए सिद्दरामैया और शिवकुमार आज नई दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं।

परमेश्वर ने कहा, 'मुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जिम्मेदार पदों पर हैं। यह उचित है कि वे हम जैसे वरिष्ठों से परामर्श करें। बिना परामर्श के यदि वे दोनों अपने आप निर्णय लेते हैं, तो यह मेरे अनुसार सही नहीं है। पार्टी और सरकार में जो वरिष्ठ हैं, अनुभवी हैं और संपर्क वाले हैं, उनसे परामर्श किया जाना चाहिए।' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, मेरे जैसे कई वरिष्ठ लोग हैं जिन्होंने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में काम किया है और जिनके पास अनुभव है और पार्टी पदों पर रहे हैं। अगर उनकी सलाह और राय ली जाएगी, तो यह अच्छा होगा। यह है मेरी राय। परमेश्वर इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या मुख्यमंत्री और शिवकुमार ने एमएलसी उम्मीदवारों पर उनकी राय मांगी है, या क्या उन्होंने किसी नाम की सिफारिश की है।

फाइल फोटो

कई मंत्रियों द्वारा टिकट देते समय क्षेत्र और जाति जैसे कारकों पर विचार करने का सुझाव देने के बारे में पूछे जाने पर, परमेश्वर ने कहा, इस पर चर्चा की जानी चाहिए। उन दोनों (मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री) को एकतरफा निर्णय नहीं लेना चाहिए, उन्हें हमारी सलाह लेनी चाहिए। उन्हें जिले और जाति के हिसाब से विचार करना होगा। उन्होंने कहा, जिन्होंने पार्टी के लिए काम किया है और इसे खड़ा किया है, जो समुदाय संगठन के साथ खड़े रहे हैं, उन्हें मान्यता देनी होगी, यह मेरी राय है।

यह पूछे जाने पर कि क्या हाल ही में शिवकुमार द्वारा सभी मंत्रियों के लिए आयोजित रात्रिभोज बैठक के दौरान इस पर चर्चा हुई थी, परमेश्वर ने ना में उत्तर दिया। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के इस निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए कि मंत्रियों को कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए पार्टी कार्यालय जाना चाहिए, परमेश्वर ने कहा कि जब वह आठ साल तक अध्यक्ष थे तो उन्होंने भी यही काम किया था। उन्होंने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो मंत्री पार्टी कार्यालय जाते थे... यह पार्टी का निर्णय है। अध्यक्ष ने देखा होगा कि कुछ मंत्री इसका पालन नहीं कर रहे हैं, और इसलिए उन्होंने निर्देश दिया होगा, यह एक स्वागत योग्य कदम है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने की चर्चा पर एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा कि पार्टी आलाकमान उचित समय पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा, शिवकुमार सक्षम हैं और अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। अगर उन्हें लगता है कि वह चीजों का प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि वह उप मुख्यमंत्री भी हैं, तो वह आलाकमान को बताएंगे, या आलाकमान खुद फैसला कर सकता है।

मंत्री के एन राजन्ना के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि वह पार्टी अध्यक्ष के रूप में सेवा करने के लिए मंत्री पद का त्याग करने के लिए तैयार हैं, उन्होंने कहा, ...कोई भी त्याग कर सकता है, क्या कांग्रेस में त्याग करने के लिए लोगों की कमी है? विधानसभा में राजनीतिक दलों के मौजूदा संख्या बल को देखते हुए कांग्रेस सात, भाजपा तीन और जदएस एक सीट जीत सकती है। इस चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और यह 3 जून तक चलेगी।

प्रज्ज्वल 31 को पेश नहीं हुए तो उन्हें वापस लाने की अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी : गृहमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को संकेत दिया कि कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (सेकुलर) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना अगर 31 मई को जांच दल के सामने पेश नहीं हुए तो उन्हें विदेश से लाने के लिए अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रज्ज्वल ने एक वीडियो बयान में कहा है कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होंगे और तफ्तीश में सहयोग करेंगे। इसके बाद गृह मंत्री का यह बयान आया है।

परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, हमने प्रज्ज्वल को वापस लाने के लिए सभी प्रयास किए हैं। हमने केंद्र सरकार को पत्र लिखे, हमने उनके खिलाफ वारंट प्राप्त किया है, जिसकी सूचना हमने (केंद्रीय) गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को दे दी है। साथ ही ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी करवाया गया है। इस बीच उन्होंने अपनी वापसी को लेकर एक वीडियो संदेश जारी किया है।'' उन्होंने कहा कि प्रज्ज्वल का देश लौटने का फैसला उचित है क्योंकि कानून के शिकंजे से कोई नहीं बच सकता। उन्होंने कहा, अगर वह चुनाव हार जाते हैं तो उनकी (संसद की) सदस्यता चली जाएगी और उनका राजनयिक पासपोर्ट भी जब्त कर लिया जाएगा। इस सब पर विचार करके उन्होंने शायद वापस आने का फैसला किया। मंत्री ने कहा कि प्रज्ज्वल के वापस आते ही कानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''हम देखेंगे कि 31 मई को क्या होता है। अगर वह नहीं आए तो अगली प्रक्रिया शुरू होगी।'' इस सवाल पर कि क्या प्रज्ज्वल को यहां पहुंचते ही आव्रजन केंद्र में गिरफ्तार किया जाएगा, परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी इसका फैसला करेगी। तेंतीस वर्षीय प्रज्ज्वल जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार हैं। उन पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। वह हासन में मतदान होने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को कथित रूप से जर्मनी चले गए थे।

बेंगलूरु के लिए 1000 करोड़ रुपए अनुदान तुरन्त जारी करे सरकार : आर अशोक

187 करोड़ रुपए की लूट और अधिकारी की मौत के लिए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल जिम्मेदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के विकास की अनदेखी कर रही कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन के खिलाफ शहर के फ्रीडम पार्क में 28 मई को भाजपा ने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मांग की कि राजधानी के विकास के लिए तुरन्त 1 हजार करोड़ रुपए जारी किए गए। शहर में मानूसन के पहले एहतियाती कदम उठाने के लिए आवश्यक कार्य जरूरी हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु की विकास में काफी उपेक्षा की है। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो रखे है। जगह जगह पर कूड़े के ढेर नजर आते हैं। सिविल सेवकों और ठेकेदारों को देने के लिए खजाने में पैसे नहीं है। राजधानी में एक रुपए का भी विकास कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि शहर के दौरा करने के बाद भी विकास कार्यों के लिए कोई भी पैसा सरकार ने जारी नहीं किया है।

बेंगलूरु के लोग अब कहने लगे हैं कि हमारा टैक्स हमारा अधिकार है। बेंगलूरु के लोग सबसे ज्यादा टैक्स अदा करते हैं। राज्य के कुल करों का सबसे बड़ा हिस्सा बेंगलूरु से ही आता है। अशोक ने सवाल किया कि फिर बेंगलूरु की इतनी उपेक्षा क्यों। कांग्रेस सरकार ने ब्रांड बेंगलूरु कहकर बेंगलूरु को बैड बेंगलूरु, क्राई बेंगलूरु और गारबेज बेंगलूरु बना दिया है। उन्होंने कहा कि मानसून शुरू होने से पहले सरकार को जगाना होगा और एक हजार करोड़ रुपए तुरन्त जारी करना चाहिए। सड़क पर हो रहे गड्ढे मौत को दावत दे रहे हैं। इससे पहले कुछ हो सरकार को चाहिए कि कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम में अधिकारी की आत्महत्या के लिए मंत्री जिम्मेदार हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा था कि अगर उन्होंने रिश्वत ली है तो वे इस्तीफा दे देंगे। यहां 187 करोड़ रु. अधिकारी ने मृत्यु नोट में उल्लेख किया कि एक घोटाला हुआ था और इसके लिए कौन जिम्मेदार था। इसमें सिर्फ मंत्री ने ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल ने लूट की मलाई खाई है। इसके लिए सीधे तौर पर सरकार जिम्मेदार है। 187 करोड़ लूटने वाले मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को तुरन्त इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस के मंत्री और मुख्यमंत्री, जिन्होंने पहले केएस ईश्वरप्पा का इस्तीफा मांगा था, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि बीजेपी इसके खिलाफ आंदोलन करेगी।

फ्रीडम पार्क में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व मंत्री अश्वथ नारायण, के. गोपालैया, विश्वनाथ, मणिरत्नम, राज्य के मुख्य प्रवक्ता श्री अश्वथ नारायण, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष, विधायक, विधान परिषद सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य, पार्टी पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्नाटक में विधान परिषद चुनाव के टिकट के लिए 300 से अधिक दावेदार : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी नेतृत्व के सामने ''मुश्किल हालात'' है क्योंकि राज्य में आगामी विधान परिषद चुनावों के टिकट के लिए 300 से अधिक दावेदार हैं। राज्य के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि टिकटों पर फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। विधानसभा के सदस्यों द्वारा चुनी जाने वाली कर्नाटक विधान परिषद की 11 सीटों के लिए चुनाव 13 जून को होंगे। विधानसभा में पार्टियों के मौजूदा संख्याबल के मुताबिक, कांग्रेस सात सीट, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीन और जनता दल (सेक्युलर) एक सीट जीत सकती है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और शिवकुमार आज कांग्रेस आलाकमान के साथ उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा करने के लिए नयी दिल्ली के लिए रवाना हुए। विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और यह तीन जून तक चलेगी। दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, टिकट के लिए 300 से अधिक दावेदार हैं, वे सभी वर्गों से हैं। सात सीट पर सभी वर्गों को समायोजित करना संभव नहीं है। इसमें मौजूदा सदस्य भी हैं। इन सभी ने पार्टी के लिए काम किया है।

बेल्लूर शहर में भीड़ ने युवक पर किया हमला, घरों में की तोड़फोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के बेल्लूर कस्बे में कथित व्यवसायिक रंजिश को लेकर भीड़ द्वारा एक युवक पर हमला किये जाने और कुछ घरों में तोड़फोड़ करने के बाद तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कई परिवारों ने सोमवार रात को बेल्लूर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, बड़ी संख्या में लोगों के एक समूह ने अभिलाष (29) पर हमला कर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि युवक को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

केरल में मशहूर लेखिका एम लीलावती के घर में घुसा बाढ़ का पानी

कोच्चि। केरल में मंगलवार को हुई भारी बारिश में प्रसिद्ध मलयालम लेखिका और साहित्य आलोचक एम. लीलावती का कलामस्सेरी स्थित घर को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार बारिश के कारण बाढ़ का पानी इमारत में घुस जाने से लेखिका के दो मंजिला घर में सैकड़ों किताबें, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और रसोई के बर्तनों को नुकसान पहुंचा। घर के विभिन्न कमरों में अलमारियों और रैक में जो किताबें और पत्रिकाएं व्यवस्थित की गई थीं, वे पानी में तैरती हुई पाई गईं।

बैठक

बेंगलूरु में मंगलवार को राजभवन में कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव डॉ. रजनीश गोयल, बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ, एसीएस शहरी विकास सचिव राकेश सिंह, कानून विभाग के प्रमुख सचिव जीएस संग्रेशी आदि ने राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर कर्नाटक में प्रशासनिक स्तर की चर्चा की।

दपरे महाप्रबंधक ने मैसूरु रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु।मैसूरु दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने सोमवार को मैसूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों के लिए मौजूदा सुविधाओं की जांच की और रेलवे स्टेशन पर विकास परियोजना के संबंध में मंडल अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने अपने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्लेटफॉर्मों, पटरियों, इमारतों और अन्य संरचनाओं की स्थिति, प्रतीक्षा क्षेत्रों, शौचालयों और आसपास के क्षेत्रों सहित स्टेशन परिसर की सफाई, यात्री सुविधाओं जैसे विभिन्न पहलुओं की ओर ध्यान दिया।

बाद में उन्होंने मैसूरु, मेटागल्ली ब्लॉक स्टेशन और बेलगुला स्टेशन में न्यू गुड्स टर्मिनल का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने मैसूरु स्टेशन और यार्ड का सर्वेक्षण किया तथा ट्रैक मेंटेनर्स एवं अन्य फ्रंट लाइन कर्मचारियों के साथ बातचीत की। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक शिल्पी अग्रवाल और मैसूरु मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

लेखा अधिकारी के आत्महत्या मामले में तीन शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के 48 वर्षीय लेखा अधीक्षक ने कथित रूप से अपने गृहनगर में अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में तैनात चंद्रशेखरन पी ने रविवार शाम को अपने आवास पर पंखे से लटककर आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर छह पन्नों का नोट छोड़ा था। पुलिस ने बताया कि कथित सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी मौत के लिए अपने तीन वरिष्ठ सहकर्मियों को जिम्मेदार ठहराया था। साथ करीब 87 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी की बात कही थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, उन्होंने विभिन्न बयानों के माध्यम से करीब 87 करोड़ रुपये की हेराफेरी और अपने इस कदम के पीछे के कारणों का उल्लेख किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके तीन सहकर्मियों ने उन्हें 'परेशान' किया और कथित तौर पर 'निजी लाभ के लिए धन की हेराफेरी' के लिए उनका इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया, बाद में जब उन्हें पता चला कि अगर उनके खिलाफ जांच शुरू की गई और प्राथमिकी दर्ज की गई तो उन्हें जेल हो जाएगी। इससे भी वे यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने नोट में कहा है कि मृतक ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसे निगम के प्राथमिक खाते से बेहिसाब धन निकालने के लिए एक समानांतर बैंक खाता खोलने के लिए मजबूर किया।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें एक मंत्री और एक अधिकारी द्वारा स्वीप-इन और स्वीप-आउट खाता खोलने का निर्देश दिया गया था, जो ग्राहकों को बचत और चालू खातों के बीच धन हस्तांतरित करने और बेंगलूरु में एमजी रोड पर एक बैंक शाखा में सावधि जमा खातों को जोड़ने की सुविधा देता था। पुलिस के अनुसार, वह सप्ताहांत के लिए शुक्रवार को बेंगूरु से अपने गृहनगर लौटे थे और रविवार को जब घर पर कोई नहीं था तब आत्महत्या कर ली।

अधिकारी ने कहा, शुरू में हमने शिवमोग्गा के विनोबा नगर पुलिस थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में जब हमें सुसाइड नोट मिला तो हमने तीन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि आरोपी सरकारी कर्मचारी फिलहाल फरार हैं। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेन्द्र के अनुसार मामला सीआईडी को सौंप दिया गया है और केएमवीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक जे जी पद्मनाभ, दुर्गन्ना और सुचिस्मिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में अलीरेजा को हराया

चेन्नई/स्टवेंगर (नॉर्वे)/एजेन्सी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को यहां नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। सामान्य टाइम कंट्रोल में आसान ड्रॉ के बाद प्रज्ञानानंदा को सफेद मोहरों से खेलते हुए 10 मिनट मिले जबकि अलीरेजा को सात लेकिन शर्त यह थी कि उन्हें जीत दर्ज करनी थी क्योंकि ड्रॉ होने पर काले मोहरों से खेलने वाले को अतिरिक्त अंक मिलते। प्रज्ञानानंदा ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

पुरुष और महिला वर्ग में क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत सभी बाजियां बराबरी पर छूटीं और नतीजों के लिए छह आर्मागेडोन बाजियों का सहारा लेना पड़ा। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गत विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से क्लासिकल बाजी 14 चाल में ड्रॉ खेलने के बाद 68 चाल में आर्मागेडोन बाजी ड्रॉ करके अपना पलड़ा भारी रखा।

कंक्रीटीकरण और आर्द्रता के बढ़ते स्तर से भारत के महानगरों में बढ़ रही गर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कंक्रीटीकरण और आर्द्रता का स्तर बढ़ने से भारत के महानगरों में गर्मी बढ़ रही है जहां एक दशक पहले की तरह रात तक में मौसम ठंडा नहीं हो रहा है। यह बात 'सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट' (सीएसई) की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। सीएसई ने जनवरी 2001 से अप्रैल 2024 तक छह महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलूरु और चेन्नई के लिए ग्रीष्मकालीन हवा के तापमान, भूमि की सतह के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता डेटा का विश्लेषण किया।

थिंक टैंक ने कहा कि बढ़ी हुई आर्द्रता सभी जलवायु क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति को बढ़ा रही है, यहां तक कि दिल्ली और हैदराबाद में हवा के तापमान में मामूली गिरावट भी बेअसर साबित हो रही है। बेंगलूरु को छोड़कर, 2001-2010 के औसत की तुलना में 2014-2023 तक अन्य पांच महानगरों में ग्रीष्मकालीन औसत सापेक्ष आर्द्रता 5-10 प्रतिशत बढ़ गई। सीएसई की रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भीषण गर्मी भारत के बड़े हिस्से में स्वास्थ्य और आजीविका को प्रभावित कर रही है।

सीएसई में अनुसंधान मामलों की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा, शहरी केंद्रों के लिए एक व्यापक ताप प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए दिन और रात के तापमान के साथ-साथ गर्मी, सापेक्ष आर्द्रता और भूमि की सतह के तापमान में बदलती प्रवृत्ति का आकलन करना आवश्यक है। सीएसई की नगर प्रयोगशाला के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक अविकल सोमवंशी ने कहा कि भीषण गर्मी और आर्द्रता से निपटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव शरीर के मुख्य शीतलन तंत्र 'पसीने' को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, ''त्वचा से पसीने का वाष्पीकरण हमारे शरीर को ठंडा करता है, लेकिन उच्च आर्द्रता स्तर इस प्राकृतिक ठंडक को सीमित कर देता है। परिणामस्वरूप, लोग गर्मी और बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं।'' अध्ययन में कहा गया कि महानगरों रात में ठंडक नहीं हो रही है।

सोमवंशी ने कहा, ''गर्म रातें दोपहर के चरम तापमान जितनी ही खतरनाक होती हैं। अगर रात भर तापमान अधिक रहता है तो लोगों को दिन की गर्मी से उबरने का मौका कम मिलता है।'' अध्ययन में कहा गया कि आर्द्रता के बढ़ते स्तर ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में मानसून को मानसून पूर्व अवधि की तुलना में अधिक गर्म बना दिया है। इसमें कहा गया कि पिछले दो दशकों में सभी महानगरों में अधिक कंक्रीटीकरण हुआ है जिससे गर्मी की स्थिति बढ़ गई है। सीएसई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हरित आवरण में वृद्धि रात की गर्मी को कम करने में प्रभावी नहीं है।

मोबाइल जब्त

बेंगलूरु पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक व्यक्ति से 32 स्मार्ट मोबाइल फोन मिले। यहां मोबाइल आदि देखने के बाद पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बताया कि झारखंड़ मूल के चार लोगों की एक गैंग भीड़भाड़ के इलाके में मौके का फायदा उठाते हुए लोगों के जेब से फोन चोरी करते हैं। पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है उसके पास से 20 लाख रुपए मूल्य के 32 स्मार्ट फोन मिले हैं। बाकी तीन लोगों की पुलिस को तलाश है उनके पास लगभग 100 फोन है बताए जाते हैं। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश कुमार सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हीटवेव प्रबंधन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक

लापरवाही पर अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी तय : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने हीटवेव से बचाव एवं उपचार के लिए उच्च स्तरीय प्रबंधन किया है। हीटवेव प्रबंधन की मॉनिटरिंग के लिए हर अस्पताल पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में पूरा चिकित्सा तंत्र अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम कर आमजन को राहत दे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर कोई भी लापरवाही या कमी सामने आती है तो संबंधित अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

खींवसर मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में हीटवेव प्रबंधन को लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से की गई तैयारियों एवं गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मेडिकल कॉलेजों की ओर से हीटवेव प्रबंधन को लेकर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम से पहुंचाएं रोगियों को राहत चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों सहित सभी चिकित्साकर्मी हीटवेव को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा एवं उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। अधिकारी निरंतर फील्ड में जाकर चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करें। संसाधनों की तात्कालिक उपलब्धता के लिए आरएमआरएस फण्ड का उपयोग करें या वैकल्पिक उपायों के माध्यम से तुरंत व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम के माध्यम से रोगियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि हीटवेव के इस समय में आमजन को राहत के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संकट एवं विपदा के समय उदारमना एवं भामाशाहों द्वारा आगे बढ़कर सहयोग करना राजस्थान का गौरवशाली इतिहास रहा है। अधिकारी इन दानदाताओं, भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सोशल एक्टिविस्ट का भी हीटवेव प्रबंधन में सहयोग लेकर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं और मौतों की भिन्न-भिन्न संख्या मीडिया के माध्यम से सामने आ रही है, जबकि प्रमाणिक आंकडे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किए जा रहे हैं, जो आईएचआईपी पोर्टल पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि हीटवेव से होने वाली मौतों के प्रमाणिक आंकडे भारत सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार डेथ ऑडिट के बाद चिकित्सा विभाग द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 28 मई तक हीट स्ट्रोक से पांच संदिग्ध मौत के मामले सामने आए हैं, इनमें से एक मौत की पुष्टि हीट स्ट्रोक से पूर्व में की जा चुकी है, जबकि जयपुर, जोधपुर, नागौर एवं उदयपुर में एक-एक मौत की अभी ऑडिट की जा रही है।

खींवसर ने कहा कि सोमवार और मंगलवार को प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव से बचाव के लिए की गई व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की है। इसमें सामने आया है कि चिकित्सा विभाग की समय पर की गई तैयारियों और समुचित प्रबंध के कारण हीट स्ट्रोक के रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो रहा है। राजस्थान में हीटवेव की प्रबलता के बावजूद अस्पतालों में स्थापित किए गए डेडीकेटेड हीट स्ट्रोक वार्डों में रोगियों की संख्या तथा प्रदेश में इससे होने वाली मौतें लगभग नगण्य हैं। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से रैफरल सुविधा भी सुगमता से उपलब्ध हो रही है। एम्बुलेंस में हीट स्ट्रोक रोगियों के लिए सभी आवश्यक संसाधनों का प्रबंध किया गया है। समीक्षा में सामने आया है कि प्रदेश में कुछ मामलों को छोड़कर 99 प्रतिशत चिकित्सा व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं।

भोजन के बाद तबीयत बिगड़ने से महिला सहित तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले के कोटड़ा थाना क्षेत्र में एक कार्यक्रम में भोजन के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 36 अन्य का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सावन क्यारा गांव में सोमवार को एक कार्यक्रम में करीब 80 लोग शामिल हुये थे। उनके अनुसार रात को भोजन के कुछ देर बाद कई लोगों को उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत पर अस्पताल ले जाया गया जहां एक महिला और दो लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बाबू गमार (30), मसरू गमार (28) और अमिया पारगी (35) के रूप में की गई है। कोटड़ा के ब्लाक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शंकरलाल चव्हाण ने बताया कि सावन क्यारा में एक कार्यक्रम में खाने में बकरे का मटन, मिक्स वेज, बैंगन, टमाटर, मक्के का दलिया, दाल गुड़ आदि का भोजन के साथ लोगों को देशी और अंग्रेजी शराब भी परोसी गई थी।

उन्होंने बताया कि भोजन करने और शराब का सेवन के कुछ देर बाद लोगों ने पेट में जलन, जी घबराने, उल्टी आदि की शिकायत की जिसपर उन्हें स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र लाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल मे एक महिला और दो अन्य की मौत हो गई जबकि 36 अन्य का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि 11 लोग कोटड़ा में प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में उपचाराधीन है जबकि 25 अन्य लोगों के परिजन नजदीक गुजरात सीमा से लगे अस्पतालों में ले गये हैं। उन्होंने बताया कि सभी खाद्य सामग्री और शराब का नमूना जांच के लिये भेज दिये है।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में सोमवार रात एक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य झुलस गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा एक बाइक व जीप की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस ने बताया कि फलासिया थाना क्षेत्र के उदयपुर-आबू रोड पर एक तेज रफ्तार बाइक उस जीप से जा टकराई जिसमें बाराती सवार थे। बाइक पर सवार तीन दोस्त युवक पास ही कहीं जा रहे थे।

हादसे में, बाइक पर सवार सुनील, राहुल और दीपक (उम्र 18-20 वर्ष) की सिर में चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार टक्कर से बाइक का पेट्रोल टैंक फट गया और बाइक व जीप में आग लग गई। जीप में सवार छह यात्रियों में से दो झुलस गए और उन्हें उदयपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भीषण गर्मी एवं हीटवेव से इंसानों के साथ-साथ बेजुबानों को भी मिले राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भीषण गर्मी एवं हीटवेव से आम इंसान से बेजुबान तक हर कोई प्रभावित हो रहा है। ऐसे में जिला प्रशासन ने गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर आमजन एवं बेजुबानों को राहत पहुंचाने की पहल की है। इसी कड़ी में जिला कलक्टर जयपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में गैर सरकारी संगठनों के संचालकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिले के प्रमुख गैर सरकारी संगठनों के संचालकों ने शिरकत की। जिसमें मुख्य सचिव महोदय के निर्देशानुसार भीषण गर्मी एवं हीटवेव के दौरान कोई भूखा एवं प्यासा ना रहे सरकार की इस नेक मंशा को साकार करने के लिए चर्चा की गई। जिला प्रशासन एवं गैर सरकारी संगठन मिलकर आमजन के साथ-साथ बेजुबानों तक राहत पहुंचाने का काम करेंगे।

बैठक में गैर सरकारी संगठनों के संचालकों से ग्रीष्म ऋतु के दौरान जिले में अलग-अलग स्थानों पर आमजन एवं जीव-जंतुओं के लिए पर्याप्त खाद्य सामग्री एवं पेयजल उपलब्ध करवाने एवं इनसे जुड़े संसाधन उपलब्ध करवाने पर चर्चा हुई। बैठक में गैर सरकारी संगठनों के संचालकों ने जिला प्रशासन द्वारा जगह चिन्हित करवाने का सुझाव दिया गया ताकि पानी एवं खाद्य सामग्री का इंतजाम किया जा सके।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) श्रीमती अलका विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) श्रीमती सुमन पंवार सहित नया सवेरा संस्था के अखिलेश माहेश्वरी, टाबर संस्था के राकेश शर्मा, स्माइल फॉर ऑल सोसायटी के अंकित, प्रयास जल सोसायटी की श्रीमती मनीषा एवं अभय अनिल, बचपन बचाओ संस्था के मोहम्मद दिलशाद उपस्थित रहे।

खराब की जगह सही किडनी निकालने का मामला

झुंझुनू के धनखड़ अस्पताल कर रजिस्ट्रेशन रद्द, अस्पताल को किया सीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झुंझुनूं के निजी धनकड़ अस्पताल में एक रोगी की किडनी का गलत ऑपरेशन करने के मामले में राज्य सरकार ने सख्त एक्शन लेते हुए अस्पताल का क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है और विभिन्न राजकीय स्वास्थ्य योजनाओं में अस्पताल का एम्पेनलमेंट निरस्त करने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि झुंझुनूं के निजी धनकड़ अस्पताल में एक महिला रोगी की दाईं किडनी के स्थान पर बाईं किडनी निकाल देने का गंभीर मामला सामने आया था। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है।

श्रीमती सिंह ने बताया कि अस्पताल का क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव रद्द कर दिया है। पूर्व सेवाकार अंशदायी स्वास्थ्य योजना, राजस्थान गवर्नमेंट स्वास्थ्य योजना एवं आयुष्मान आरोग्य योजना से अस्पताल का एम्पेनलमेंट निरस्त करने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही अस्पताल को सीज करने की कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन के अनुसार पूरे प्रकरण में 5 सदस्यीय जांच दल गठित कर जांच करवाई जा रही है। जांच के बाद पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं द्वारा प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सांचौर में मादक पदार्थों के धंधे में लिप्त दो तस्कर भाइयों की संपत्ति की फ्रीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राज्य में गत 15 मई से नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत मंगलवार को सांचौर जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर थाना करड़ा अंतर्गत दाता गांव निवासी मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त दो तस्कर भाइयों की संपत्ति को फ्रीज कर साइन बोर्ड लगा दिए। पुलिस ने इनके दो आलीशान मकान एवं 744 ग्राम सोने के आभूषण फ्रीज किये है, जिसकी कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये है।

जिला एसपी सांचौर हरी शंकर ने बताया कि दाता गांव निवासी भूताराम ऊर्फ भभूता राम विश्नोई एवं उसका भाई जेता राम विश्नोई मादक पदार्थ के बड़े तस्कर हैं। भूता राम के विरुद्ध पंजाब के पटियाला जिले में थाना बस्सोबाला, सांचौर तथा थाना करड़ा में सात व जेताराम के विरुद्ध सांचौर करड़ा एवं सिरोही के मण्डार थाने में पांच अवैध मादक पदार्थ व शराब की तस्करी सहित अन्य अपराधिक एनडीपीएस एक्ट, राजस्थान आबकारी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता का अलगअलग धाराओं में दर्ज हैं।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि दोनों तस्कर भाइयों ने मादक पदार्थों की तस्करी की काली कमाई से अपने गांव में अलग-अलग अपने आलीशान मकान बना रखे हैं।

पार्टी छोड़ने वाले 'नाकारा और निक्कमा': अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर सोमवार को निशाना साधते हुए उन्हें 'अवसरवादी', 'निक्कमा-नाकारा' और 'गद्दार' बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह खासियत है कि संकट में साथ देने वालों को कुछ मांगने की जरूरत नहीं रहती हालांकि 'गद्दारी' करने वाले भी पार्टी में बने रहते हैं। गहलोत ने कहा, चाहे अवसरवादी कहें, निकम्मा, नकारा या गद्दार कह दें .. ये तमाम शब्द भाई बहन हैं। इनका उपयोग इन लोगों के लिए होता है। पूर्व मुख्यमंत्री यहां मीडिया के इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों को वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल नेता अवसरवादी और नॉन परफॉर्मिंग एसेट (पार्टी के लिए बोझ)हैं।

यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा, ये अवसरवादिता होती है ना .. नॉन परफार्मिंग एसेट कह दो उनको, अवसरवादी कह दो, निकम्मे कह दो, नकारा कह दो, गद्दार कह दो, पीठ में छुरा घोंपने वाले कह दो.. ये तमाम शब्द भाई बहन हैं। इनका उपयोग इन लोगों के लिए होता है। जो गद्दारी करता है वो गद्दार है ही। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में जाने वाले नेताओं पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा यह संकट के समय पार्टी के लिए काम करने का समय था लेकिन वे पांच साल राज करने के बाद छोड़ गए।

लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में तीन पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, लाल चंद कटारिया और राजेंद्र यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हुए थे। गहलोत ने 2020 में राजनीतिक संकट के दौरान पार्टी नेता सचिन पायलट के लिए इन शब्दों का इस्तेमाल किया था।

बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा, जो गद्दारी करते हैं, पीठ में छुरा घोंपते हैं.. वे भी पार्टी में रहते हैं। पर ये अवसरवादिता होती है। मैं कहना चाहूंगा...वो इस तरह व्यवहार करें जिससे की आने वाले 15-20 साल बाद वो एसेट (कांग्रेस पार्टी के लिए मूल्यवान हों) बन जाएं न कि लायबिलिटी (बोझ)। गहलोत ने कहा कि वह चाहते हैं कि पार्टी का हर कार्यकर्ता और नेता सफल हो। उन्होंने कहा,मैं चाहता हूं कि हर कार्यकर्ता, नेता कामयाब हो। वो कामयाब होंगे तो कांग्रेस मजबूत होगी। इसलिए वें एस्सेट बने। गहलोत ने कहा कि अगर पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने वाला कोई भी उम्मीदवार जीतता है, तो उसकी जीत राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे... नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के खाते में जाएगी।

गहलोत ने जल संकट पर जलदाय मंत्री के बयान को गैर जिम्मेदाराना करार दिया

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में जलसंकट के मुद्दे पर राज्य सरकार के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर जिम्मेदाराना करार दिया। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में हर वर्ष गर्मी में जल संकट पैदा होता है लेकिन पहले से योजना बनाकर कर इसे आसानी से हल किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने कोई योजना नहीं बनाई और अब उसके मंत्री ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। जलदाय मंत्री चौधरी का एक हालिया बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह राज्य में पेयजल संकट के समाधान की बात करते हुए कहते सुनाई दे रहे हैं, समाधान यह तो है नहीं कि मैं फूंक मार दूं और बालाजी बनकर...यहां लाकर यह कर दूं। जितना पानी हमारे पास उपलब्ध है, वही वितरित किया जाएगा।

अभिनेत्री प्रीति वर्मा ने विवान सेवा संस्थान का दौरा कर मरीजों से कुशलक्षेम पूछी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । अभिनेत्री और घुड़सवार प्रीति वर्मा जयपुर में 'विवान सेवा संस्थान' नाम के एक एनजीओ के लोगो को मिलने पहुँची । उन्होंने हमसे अपने अनुभव के बारे में बात की कि वह आश्चर्यचकित थीं कि कैसे गुड़िया चौधरी और उनके डॉक्टर साथी इस पहल को शुरू करने के लिए एक साथ आगे आए और सभी लकवाग्रस्त मरीजों की देखभाल करते हैं। भारत भर में. वे मानवतापूर्ण कार्य के इरादे और समाज के लिए संदेश के साथ उन्हें मुफ्त में देखभाल और उपचार प्रदान करते हैं। मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ कि ऐसे लोग वास्तव में मौजूद हैं। मुझे लगता है ऐसे किसी भी काम को ओर बढ़ावा देने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा लोगो को जुड़ना चाइए और साथ होना चाइए। देश भर से आए लगभग 20 मरिज़ो का इलाज होता देख मुझे ख़ुशी हुई और उन सबके साथ कुछ समय बिताने के बाद पता चला की ये लोग इन ज़िंदगियों में कितना बड़ा योगदान कर रहें है उनकी सहायता करके।

विचाराधीन कैदी ने अदालत में मजिस्ट्रेट पर चप्पल फेंकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक विचाराधीन कैदी ने मजिस्ट्रेट पर चप्पल फेंक दी। पुलिस के अनुसार कैदी को मामले में सुनवाई के लिए स्थानीय अदालत में ले जाया गया था। कोतवाली थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक रसिक मोहम्मद ने बताया कि चोरी के एक मामले में न्यायिक हिरासत में इस्माइल को जेल से सोमवार को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में ले जाया गया था।

उन्होंने बताया कि उसने अचानक अपनी चप्पल निकाली और मजिस्ट्रेट पर फेंक दी। आरोपी को दोबारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ मजिस्ट्रेट द्वारा मामला दर्ज किया जा रहा है और उसे प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया जाएगा।

राज्यपाल से पेयजल एवं बिजली समस्या के निदान के लिए सरकार को निर्देश देने का निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलकर भीषण गर्मी में प्रदेशवासियों को पेयजल एवं बिजली उपलब्ध कराने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए समस्या के निदान के लिए राज्य सरकार को निर्देश जारी करने का निवेदन किया हैं। डोटासरा ने मिश्र से मंगलवार सुबह राजभवन में शिष्टाचार भेंट कर उनकी कुशलक्षेम जानी और यह निवेदन किया। राजस्थान सरकार ने भीषण गर्मी का पूर्वानुमान होने पर भी पानी एवं बिजली प्रदेशवासियों को उपलब्ध कराने के लिए समय रहते कन्टीनजेन्सी प्लान नहीं बनाया तथा अब आचार संहिता लगने का बहाना बनाकर राजस्थान सरकार के मंत्री उल-जूलूल बयानबाजी कर रहे है, जो दर्शाता है कि राज्य सरकार के पास इस समस्या के निदान के लिए कोई विशेष कार्ययोजना उपलब्ध नहीं है। डोटासरा ने कहा कि जब भीषण गर्मी में पेयजल तथा बिजली की अनुपलब्धता के कारण प्रदेशभर में हाहाकार मचा हुआ है जबकि आकस्मिक आपदा के लिए कई माह पूर्व आचार संहिता लगने से पहले ही सरकार को कन्टीनजेन्सी प्लान बनाना चाहिए था तथा अब अनुमति मांगने की बजाए चुनाव आयोग से तो पूर्व में भी अनुमति ली जा सकती थी लेकिन भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री एवं मंत्री अन्य प्रदेशों में लोकसभा चुनाव में प्रचार करते रहे और प्रदेश की समस्याओं की अनदेखी की जाती रही।

बहू ने कुल्हाड़ी से वार कर ससुर की हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र में पारिवारिक कलह के कारण एक बहू ने कुल्हाड़ी से वार कर अपने ससुर की हत्या करने का मामला सामने आया है। अजमेर अस्पताल की मोर्चरी आये श्रीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने मीडिया को बताया कि रावत मोहल्ला श्रीनगर में रहने वाले परिवार में पारिवारिक कलह थी।

दो दिन पूर्व बेटों ने बहू और ससुर के झगड़े को शान्त किया और काम पर चले गये। पीछे से बहू गुड्डीदेवी ने मौका देख पहले ससुर को पीटा , फिर कुल्हाड़ी से वार कर लहूलुहान कर दिया। चीखपुकार सुन पड़ोसी आये और घायल ससुर गोकुल (70) को अस्पताल पहुंचाया । दो दिन उपचार के बाद मंगलवार को गोकुल ने दम तोड़ दिया।

जेएलएन अस्पताल में की मोर्चरी में शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया जायेगा ।

मौके पर बहू का पति लक्षमण , उसका बड़ा भाई एवं श्रीनगर के पूर्व सरपंच रामकरण यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि हत्या की नीयत से प्राण घातक हमला करने की आरोपी बहू गुड्डी देवी (35) को हिरासत में ले लिया गया है।

तुष्टीकरण की राजनीति, 'वोट जिहाद' के लिए तृणमूल ने छीने ओबीसी के अधिकार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारासात (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और 'वोट जिहाद' को बढ़ावा देने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं के अधिकार छीनने का आरोप लगाया।

बारासात में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लिए बिना कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर सवाल उठाने के लिए उनकी आलोचना की और आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या तृणमूल कांग्रेस प्रतिकूल फैसलों के बाद अब न्यायधीशों के पीछे भी 'अपने गुंडे' छोड़ देगी? उन्होंने कहा, ''बंगाल में तृणमूल ने ओबीसी को जो धोखा दिया, उसकी पोल अदालत ने खोल दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा है कि 77 मुसलमान जातियों को ओबीसी घोषित करना गैर-कानूनी और असंवैधानिक है। यानी तृणमूल ने लाखों ओबीसी नौजवानों का हक रातों-रात वोट जिहाद वालों की मदद के लिए लूट लिया। तृणमूल ने राज्य के ओबीसी समुदाय को धोखा दिया है।'' उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी की मुख्यमंत्री का रवैया हैरान करने वाला था। उन्होंने कहा, ''यहां के न्यायाधीशों की नीयत पर और हमारी न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मैं तृणमूल वालों से पूछना चाहता हूं कि अब न्यायाधीशों के पीछे भी अपने गुंडे छोड़ दोगे क्या? पूरा देश देख रहा है कि कैसे तृणमूल बंगाल में न्यायपालिका का गला घोंट रही है।'' कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल में 2010 में कई वर्गों को दिया गया अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा रद्द कर दिया था और राज्य में सेवाओं व पदों पर रिक्तियों में इस तरह के आरक्षण को अवैध करार दिया। बनर्जी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह राज्य में कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दर्जे को रद्द करने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को 'स्वीकार नहीं करेंगी'। बनर्जी ने कहा था कि वह फैसले को स्वीकार नहीं करेंगी और उन्होंने इसे भाजपा के प्रभाव में दिया गया फैसला करार दिया।

भ्रष्टाचार से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' के अपने संकल्प के बाद उनकी नई गारंटी है कि 'जिसने खाया है, उससे बाहर निकालूंगा और जिसका खाया है, उसको लौटाऊंगा'।

प्रधानमंत्री ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ संन्यासियों के खिलाफ बनर्जी की हालिया टिप्पणियों पर भी रोष जताया और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमकाया जा रहा है। मोदी ने कहा, तृणमूल से सच बर्दाश्त नहीं होता। जो कोई भी तृणमूल के गुनाह सामने लाता है, वह उनको निशाना बनाती है।

ओडिशा में 50 करोड़ की ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने एक फर्म की विभिन्न योजनाओं में निवेश कर बड़ा मुनाफा दिलवाने का झांसा देकर लोगों से 50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार किया।

आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों ने भद्रक जिले के चांदबली से लगभग 2,000 निवेशकों को धोखा देने वाली फर्म के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ ओडिशा जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (ओपीआईडी) अधिनियम और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि 2020-2023 की अवधि के दौरान आरोपी ने दो योजनाएं शुरू कीं और निवेश की गई राशि पर प्रति माह लगभग 26 प्रतिशत मुनाफा देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि फर्म नए सदस्यों को झांसे में फंसाने के लिए दो प्रतिशत बोनस की पेशकश कर रही थी। आर्थिक शाखा ने जांच के दौरान पाया कि फर्म के प्रबंध निदेशक ने कुछ निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए उन्हें मुनाफा दिया था। उन्होंने ओडिशा के 2,000 निवेशकों से 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई। इसके बाद आरोपी योजनाओं को बंद कर फरार हो गये। आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी के कब्जे से एक लैपटॉप जब्त किया है और जांच जारी है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' देश में तालिबानी शासन लाना चाहता है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फतुहा (बिहार)/भाषा। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' देश में तालिबानी शासन लाना चाहता है। पटना साहिब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के पक्ष में फतुहा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ''कांग्रेस और 'इंडिया' का घोषणा पत्र कहता है कि अगर उसकी सरकार आई तो पर्सनल लॉ लागू कर देंगे। रविशंकर जी ने जिस लड़ाई को अदालत में लड़कर तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करवाया। ये चाहते हैं कि तीन तलाक प्रथा फिर से चालू हो जाए।'' उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन ''तालिबानी शासन'' लाना चाहता है जिसमें ''महिलाओं को स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों में जाने की आजादी नहीं होगी और उन्हें हमेशा बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया जाएगा''।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरखपुर स्थित गोरक्षधाम मंदिर के महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद ''राम-भक्त (भाजपा) मथुरा में भगवान कृष्ण का भव्य मंदिर बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। कांग्रेस और बिहार में उसकी सहयोगी राजद इसे कभी पूरा नहीं कर सकती क्योंकि उन्हें वोट (मुसलमानों के) चाहिए।'' उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन दलितों और ओबीसी का आरक्षण ''छीनकर'' और इसे कथित तौर पर मुसलमानों को देना चाहता है, लेकिन देश बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के अनुसार चलेगा जो धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान नहीं करता है''। उन्होंने हाल ही में कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा कई मुस्लिम उप-समूहों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया था। तृणमूल कांग्रेस ''इंडिया का घटक'' दल है।

लोकसभा चुनाव के बाद नीतीश एक बार फिर ''पलटी'' मारेंगे : तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर ''पलटी'' मारने की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष एक ''बड़ा फैसला'' ले सकते हैं। उन्होंने पटना में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, ''हमारे चाचा (जदयू प्रमुख नीतीश कुमार) पिछडों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला चार जून के बाद ले सकते हैं।''

नीतीश कुमार के ''महागठबंधन'' से नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में चले जाने के कारण तेजस्वी यादव को इस साल जनवरी में उप मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह जदयू अध्यक्ष के साथ फिर से गठबंधन करेंगे तेजस्वी ने यादव ने कहा, ''यह बाद में देखा जाएगा''।

तेजस्वी यादव ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में वापस नहीं आएंगे। राजद नेता ने कहा, ''मोदी हार गए हैं। वह चार जून के बाद प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। देश में एक नई सरकार होगी, जो रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरत के प्रति संवेदनशील होगी।''

प्रधानमंत्री मोदी के सहारे चुनावी नैया पार होने की उम्मीद है अनुप्रिया पटेल को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। प्रसिद्ध शक्तिपीठ विंध्याचल के कारण मशहूर मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहीं अपना दल (एस) प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल को अपनी चुनावी नैया पार लगाने के लिए केंद्र की नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता पर ही अधिकतर निर्भर रहना पड़ रहा है क्योंकि उनके क्षेत्र के कई लोग अपनी दो बार की सांसद के प्रदर्शन से पूरी तरह खुश नहीं हैं।

इस संसदीय क्षेत्र के कई लोग यहां हुए विकास कार्यों के लिए स्थानीय सांसद के प्रयासों से अधिक केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार को देना पसंद करते हैं। विंध्याचल धाम कॉरिडोर के लिए जमीन दान देने वाले बलराम शुक्ला के पुत्र हर्ष शुक्ला का कहना है, इस कॉरिडोर का निर्माण प्रदेश की योगी सरकार द्वारा कराया जा रहा है जिसमें यहां के विधायक रत्नाकर मिश्रा का विशेष योगदान है। कॉरिडोर में अनुप्रिया पटेल के योगदान के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, कॉरिडोर में अनुप्रिया की कोई विशेष भूमिका नहीं दिखती। वह अति विशिष्ट जनों के आगमन पर यहां आती हैं। हालांकि, सपा प्रत्याशी रमेश बिंद द्वारा ब्राह्मणों को गाली देने से ब्राह्मण समाज उनसे नाराज है और वह अनुप्रिया के पक्ष में मतदान कर सकता है।

विंध्याचल धाम के पास शिवपुर में चाय पानी की दुकान चलाने वाले कुंदनलाल धरकार का भी कहना है, विंध्याचल कॉरिडोर, मोदी-योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है और अनुप्रिया का इससे कोई लेना देना नहीं है। फिर भी मोदी को लाने के लिए हम अनुप्रिया को ही वोट देंगे।

हालांकि अनुप्रिया पटेल की पार्टी क्षेत्र के लोगों के इस दावे से सहमत नही हैं। अपना दल (एस) के प्रदेश प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव का कहना है, अनुप्रिया पटेल के पास मंत्रालय के अलावा पार्टी का भी दायित्व है। इसके बावजूद जब भी वह अपने संसदीय क्षेत्र में आती हैं, जनता के बीच ही रहती हैं। उन्होंने बतौर सांसद और मंत्री अनुप्रिया पटेल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, गंगा नदी पर शास्त्री पुल के समानांतर 1709 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छह लेन के पुल का अनुप्रिया ने शिलान्यास किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज, अमृत भारत योजना के अंतर्गत मिर्जापुर, विंध्याचल और चुनार स्टेशनों का आधुनिकीकरण आदि शामिल है। ऐसे ही अनेक कार्य उन्होंने कराए हैं।

मिर्जापुर कचहरी में वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद स्वरूप श्रीवास्तव का कहना है, अनुप्रिया 2014 से यहां की सांसद हैं, लेकिन वह लोगों की पहुंच से बहुत दूर हैं और ना ही कभी किसी का फोन उठाती हैं। उन्होंने सांसद निधि से सार्वजनिक स्थलों पर टिन शेड लगवाने के अलावा कोई काम नहीं किया। जो काम हुआ, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से हुआ। उन्होंने कहा, अनुप्रिया ने जिले में केवल भाजपा के नेताओं को साध रखा है।

असम में भारी बारिश से दो की मौत, 17 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में चक्रवात रेमल के प्रकोप से चलीं तेज हवाओं और भारी बारिश ने मंगलवार को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे दो लोगों की मौत हो गयी और 17 घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखीमपुर जिले के गेरुकामुख में एनएचपीसी की निर्माणाधीन लोअर सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान पुतुल गोगोई के रूप में की गई है।

चक्रवात के प्रकोप से सड़क पर पेड़ गिर जाने से दिघलबोरी से मोरीगांव की ओर जा रहे रिक्शे में सवार कॉलेज छात्र कौशिक बोरदोलोई अम्फी की मौत हो गयी। रिक्शे में सवार अन्य चार लोग घायल हो गये। सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली में एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया और 12 बच्चे घायल हो गये। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कामरूप जिले के पलाशबाड़ी इलाके में एक अन्य व्यक्ति पेड़ गिरने से बचने की कोशिश में घायल हो गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कहा कि खराब मौसम जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट के माध्यम से कहा,''मैंने अधिकारियों को जल्द आपात स्थितियों से निपटने के लिए सतर्क रहने का निर्देश दिया है। नागरिकों से अनुरोध है कि बेहद जरुरी कार्य होने पर ही अपने घरों से बाहर निकलें और सतर्क एवं सुरक्षित रहें। हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।''

पाटलिपुत्र: तीन बार हारने के बाद लालू परिवार इस बार मीसा को जिताने की जी-तोड़ कोशिश कर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की पाटलिपुत्र लोकसभा सीट पर तीन बार हार का सामना कर चुका लालू प्रसाद यादव का परिवार इस बार यहां से राजद प्रत्याशी मीसा भारती की जीत सुनिश्चित करने के लिए जीतोड़ कोशिश कर रहा है। राज्यसभा की मौजूदा सदस्य मीसा भारती राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की सबसे बड़ी बेटी हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र 2008 के परिसीमन के बाद बिहार की राजधानी पटना और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों को शामिल करने से अस्तित्व में आया। इस लोकसभा सीट के सृजन के बाद से ही लालू प्रसाद का परिवार यहां से जीत दर्ज करने में विफल रहा है।

वर्ष 2009 से ही लालू प्रसाद और मीसा भारती इस सीट से अपना भाग्य आजमा रहे हैं पर इस परिवार को हमेशा बगावत करने वाले अपने ही विश्वासपात्र लोगों के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में लालू ने खुद मैदान में उतरने का फैसला किया पर उन्हें उनके कभी विश्वासपात्र रहे रंजन प्रसाद यादव के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। राजद से बगावत करने के बाद रंजन प्रसाद यादव ने जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) उम्मीदवार के तौर पर लालू को चुनौती दी थी।

लालू के कभी काफी करीबी रहे रंजन प्रसाद यादव राजद छोड़कर उनके धुर विरोधी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में शामिल हो गए थे। वर्ष 2014 में राजद प्रमुख ने इस सीट से मीसा भारती को चुनावी मैदान में उतारा था पर जिन्हें कभी लालू प्रसाद के विश्वासपात्र माने जाने वाले रामकृपाल यादव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। राजद से बगावत करने के बाद रामकृपाल यादव ने भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और भारती के साथा-साथ जदयू प्रत्याशी रंजन प्रसाद यादव को भी पराजित कर दिया। भारती ने वर्ष 2019 में अपने पिता की पार्टी के लिए सीट जीतने का एक और प्रयास किया लेकिन राम कृपाल यादव पुलवामा आतंकी हमले के बाद राज्य में चली राष्ट्रवाद की मजबूत लहर पर सवार होकर अपनी सीट बरकरार रखने में कामयाब रहे थे। इसबार हैटट्रिक के प्रति आश्वस्त रामकृपाल यादव कहते हैं, ''मैं धरती पुत्र हूं। हर मतदाता के लिए जरूरत के समय मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूं। केंद्र में मोदी सरकार की लोकप्रियता के साथ और राज्य में राजग के प्रदर्शन की तुलना उन प्रतिद्वंद्वियों से करें जिनके उम्मीदवार केवल चुनाव के समय ही दिखते हैं।'' मीसा भारती की इस बार जीत सुनिश्चित करने में लालू प्रसाद सहित उनका पूरा परिवार लगा हुआ है। भारती की मां पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी घर-घर जाकर अपनी बेटी के लिए अभियान चला रही हैं और आम लोगों की इस शिकायत को दूर करने का प्रयास कर रही हैं कि 'दीदी' हर पांच साल में केवल एक बार आती हैं।

अपनी आलोचना को सहजता से ले रहीं भारती की उम्मीद इस बार सत्ता विरोधी लहर और 'इंडिया' गठबंधन की ओर से 'रोजगार' देने के वादों से उत्पन्न चर्चा पर टिकी हुई है। भारती ने 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 साल की उम्र में तीसरा कार्यकाल चाहने पर अग्निवीर के 20 से 30 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होने' के चर्चित तंज से भाजपा को परेशान करने के बाद उन्होंने पांच किलोग्राम मुफ्त राशन योजना, जिसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (अपने) अपने तुरुप के पत्ते के रूप में देखता है, जैसे मुद्दों को भी उठाया। भारती ने आरोप लगाया कि, ''लोगों को पांच किलो चावल का क्या करना चाहिए? क्या उन्हें इसे पानी के साथ खाना चाहिए? वे इसे नमक के साथ खाने के बारे में सोच भी नहीं सकते क्योंकि कीमतें नियंत्रण से बाहर हो रही हैं और लोगों के पास आय का कोई स्रोत नहीं है।''

आरक्षण देने वाली संस्थाओं को भाजपा सरकार ने बेच दिया : अखिलेश

गोरखपुर/कुशीनगर (उप्र)/भाषा। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरक्षण छीनने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो संस्थाएं नौकरियों में आरक्षण दे सकती थीं उन्हें भाजपा ने बेच दिया है।

यादव ने बांसगांव में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' की सहयोगी कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त रैली को सम्बोधित करते हुए कहा, ''भारतीय जनता पार्टी ने निवेश के नाम पर आपको सपने दिखाए लेकिन उसने नौकरियां छीन लीं, आरक्षण छीन लिया और जो संस्थाएं नौकरी में आरक्षण दे भी सकती थीं, उन संस्थाओं को इन्होंने (भारतीय जनता पार्टी वालों ने) बेच दिया।''

उन्होंने कहा, भाजपा वाले अच्छे दिन तो लाये नहीं लेकिन चार जून को खुशियों के दिन आएंगे। खुशियों के दिन हमारे-आपके तो आएंगे ही, इन हमारे प्रेस वालों के लिए आजादी का दिन होगा।

ममता ने एक दिन में दो रोड शो किये, नौ किलोमीटर पैदल चलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों के समर्थन में दमदम और कोलकाता में दो रोड शो किए। बनर्जी इन रोड शो में एक दिन में लगभग नौ किलोमीटर पैदल चलीं। पहले रोड शो में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बिराती बनिक मोड़ से जेसोर रोड पर हवाई अड्डे के गेट नंबर दो तक लगभग चार किलोमीटर तक पैदल चलीं।

दमदम लोकसभा क्षेत्र में रोड शो टीएमसी के वरिष्ठ नेता एवं उम्मीदवार सौगत रॉय के समर्थन में आयोजित किया गया, जो इस सीट से लगातार चौथी बार चुनाव मैदान में हैं। रोड शो में रॉय के अलावा टीएमसी मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और सुजीत बोस भी बनर्जी के साथ थे। वहीं, दक्षिण कोलकाता में शहर के मेयर एवं मंत्री फिरहाद हकीम बनर्जी के साथ पैदल चले।

दूसरे रोड शो में, बनर्जी एंटली मार्केट से दक्षिण कोलकाता में बालीगंज फारी तक लगभग पांच किलोमीटर पैदल चलीं। इस तरह से बनर्जी एक ही दिन में कुल लगभग नौ किलोमीटर पैदल चलीं।

अरुणाचल में अवैध शिक्षक नियुक्ति मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश पुलिस के विशेष जांच प्रकोष्ठ (सतर्कता) ने सियांग जिले के शिक्षा विभाग में अवैध नियुक्तियों के मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सियांग जिले के शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षकों और 'मल्टी-टास्किंग स्टाफ' (एमटीएस) की अवैध नियुक्तियों के संबंध में एक रिपोर्ट के आधार पर पिछले साल 20 दिसंबर को विशेष जांच प्रकोष्ठ(सतर्कता) में मामला दर्ज किया गया था।

विशेष जांच प्रकोष्ठ (एसआईसी) के पुलिस अधीक्षक अनंत मित्तल ने कहा कि एसआईसी ने सोमवार को बोलेंग में स्कूल शिक्षा उप निदेशक (डीडीएसई) कार्यालय में तैनात एक लिपिक नोंग पारोन (37) को गिरफ्तार किया। इस जिले से संबंधित मामले में यह दूसरी गिरफ्तारी है।

'आरक्षण को 50% से आगे बढ़ायेगी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने का इरादा रखने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' सत्ता में आया तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा।

राहुल ने बांसगांव में 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रैली में भाजपा पर संविधान को बदलने और आरक्षण को खत्म करने की तैयारी का आरोप लगाते हुए कहा, ''आज भाजपा के लोग कहते हैं कि हम आंबेडकर जी के काम को, उनके सपने को फाड़ कर फेंक देंगे। मैं कहता हूं कि आंबेडकर जी के संविधान को, गांधी जी और नेहरू जी के संविधान को कोई शक्ति फाड़ नहीं सकती।'' उन्होंने कहा, ''मैं हिंदुस्तान के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि इंडिया गठबंधन दिल से, जान से, खून से संविधान की रक्षा करेगा। हम एक इंच पीछे नहीं हटेंगे। मर जाएंगे, कट जाएंगे लेकिन संविधान को हम नहीं बदलने देंगे।''

राहुल ने कहा, ''भाजपा कहती है कि दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। वह आरक्षण को खत्म करना चाहती है। मैं उन्हें संदेश देना चाहता हूं कि आप संविधान को खत्म नहीं कर पायेंगे। उल्टा हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाकर ले जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''आज आरक्षण को 50 प्रतिशत तक की सीमा पर रखा गया है। इंडिया गठबंधन ने अपने घोषणा पत्र में साफ लिखा है कि हमारी सरकार आएगी तो इस 50 प्रतिशत तक की सीमा को हम हटा देंगे और उसे 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा देंगे। जहां भी कांग्रेस की सरकार आई है, चाहे छत्तीसगढ़ हो, मध्य प्रदेश हो, हमने यह काम करके दिखाया है और पूरे हिंदुस्तान में हम यह काम करके दिखा देंगे।''

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''यह लोकसभा चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ इंडिया गठबंधन और संविधान है और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो इस संविधान को रद्द करना चाहते हैं। भाजपा के नेताओं ने खुलकर कहा है कि हमारी सरकार आएगी तो हम संविधान को खत्म कर देंगे। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार नहीं आएगी।''

राहुल ने केन्द्र सरकार की अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार नरेन्द्र मोदी जी ने सेना के जवानों को मजदूर में बदल दिया है। उनको पेंशन देने, शहीद का दर्जा देने और कैंटीन देने के बजाय नरेन्द्र मोदी ने हिंदुस्तान के युवाओं से कहा है कि अगर आप गरीब घर के बेटे हैं और आप सेना में जाते हैं तो आपको न पेंशन मिलेगी, न कैंटीन मिलेगी और अगर आप शहीद होते हैं तो आपको शहीद का दर्जा भी नहीं मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''अमीर घर के बेटों से मोदी कहते हैं कि अगर आप अमीर हैं तो आपको पेंशन मिलेगी, आपको शहीद का दर्जा मिलेगा, आपको कैंटीन मिलेगी, आपके परिवार को सुरक्षा मिलेगी। मैं हिंदुस्तान के युवाओं से कहना चाहता हूं कि अग्निवीर योजना को इंडिया गठबंधन की सरकार फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने वाली है। यह सेना की योजना नहीं है। यह नरेन्द्र मोदी जी की योजना है। इससे सेना का, देशभक्तों का और जवानों का अपमान किया जा रहा है इसीलिए हम इस योजना को रद्द करने जा रहे हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने संसद को 'गहरे, अंधेरे कुएं' में तब्दील कर दिया : डेरेक ओब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओब्रायन ने मंगलवार को कहा कि निवर्तमान लोकसभा में कई चीजें पहली बार हुईं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद को एक ''गहरे, अंधेरे कुएं'' में तब्दील कर देने का आरोप लगाया।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह पहला मौका है जब कोई 'डिप्टी स्पीकर' नियुक्त नहीं किया गया और प्रधानमंत्री ने एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''श्रीमान नरेन्द्र मोदी, चूंकि आज आप मेरे शहर में हैं, इसलिए हमें बताएं कि आपने क्यों संसद का मजाक बनाया और इसे एक गहरे अंधेरे कुएं में तब्दील कर दिया।'' तृणमूल नेता ने कहा, ''17वीं लोकसभा को अलविदा। इस लोकसभा में कई चीजें पहली बार हुईं।'' ओब्रायन ने कहा कि बैठकों के मामले में, इसमें 1952 के बाद से सबसे कम दिन काम हुआ। उन्होंने कहा, ''इस लोकसभा में कोई डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया।'' 'थिंक टैंक' पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 17वीं लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल में 2019 से 2024 तक कुल 272 बैठकें हुईं। वहीं, 16वीं लोकसभा में 331 बैठकें हुई थीं, जबकि मनमोहन सिंह नीत संप्रग सरकारों के तहत 15वीं और 14वीं लोकसभा में क्रमश: 332 और 356 बैठकें हुई थीं। इससे पहले, 13वीं लोकसभा में 356 बैठकें हुई थीं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री (मोदी) ने सदन में एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया... राज्यसभा में (नियम 267 के तहत) चर्चा के लिए विपक्ष के किसी सदस्य का एक भी नोटिस स्वीकार नहीं किया गया।''

सुविचार

जिंदगी में पीछे देखोगे तो अनुभव मिलेगा, जिंदगी में आगे देखोगे तो आशा मिलेगी, दाएँ-बाएँ देखोगे तो सत्य मिलेगा, अगर भीतर देखोगे तो परमात्मा मिलेगा और आत्मविश्वास मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उम्मीद जगाने वाले निष्कर्ष

बिहार में साल 2016 में शराब पर लगाए गए प्रतिबंध के परिणामों के संबंध में 'द लांसेट रीजनल हेल्थ साउथ-ईस्ट एशिया जर्नल' में प्रकाशित नए अध्ययन के निष्कर्ष उम्मीद जगाने वाले हैं। शराब जैसी बुराई को रोकने के प्रयास सख्ती से किए जाएं तो लंबी अवधि में जनता को उनके लाभ मिलते ही हैं। लांसेट का यह अध्ययन भी इन शब्दों में इसकी पुष्टि करता है- 'बिहार में साल 2016 में शराब पर लगाए गए प्रतिबंध से रोज और साप्ताहिक रूप से शराब पीने के मामलों में 24 लाख की कमी दर्ज की गई और अंतरंग साथी द्वारा हिंसा के मामलों में 21 लाख की कमी आई है।' शराब एक ऐसी बुराई है, जो अनेक बुराइयों को जन्म देती है। जो व्यक्ति इसका सेवन करता है, उसके स्वास्थ्य और धन को नुकसान पहुंचाती है। ऐसे परिवारों में कलह का माहौल होता है, जिससे महिलाएं और बच्चे बुरी तरह प्रभावित होते हैं। शराब की बोतलों ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। आश्चर्य होता है कि इस बुराई को बढ़ावा देने वाले कई गीत आज भी बहुत चाव से सुने जाते हैं, ब्याह-शादी और खुशी के मौकों पर परिवार के परिवार इन पर थिरकते हैं! ऐसे गीतों के लिए खास फरमाइश की जाती है। 'आधुनिक' पार्टियों में शराब के सेवन से दूर रहने वाले व्यक्ति को ऐसे देखा जाता है, गोया वह किसी अन्य ग्रह से आया हो। लोगों ने शराब के पक्ष में कई कुतर्क गढ़ रखे हैं, जिनका वे जोर-शोर से हवाला देते हैं। उनका किसी वैज्ञानिक अध्ययन से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं होता, लेकिन बहुत लोग उन पर विश्वास करते हैं और खुद को झूठी दिलासा देते हैं।

अगर सरकार ने उन राज्यों से लगती सीमाओं की कड़ी निगरानी शुरू कर दी तो अपने यहां शराब माफिया पनपने लगा, कच्ची शराब की भट्टियां लग गईं। यह शराब चोरी-छिपे और काफी ऊंची कीमत पर पहुंचाई जाने लगी।

लांसेट के अध्ययन की ये पंक्तियां सरकारों को शराब पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक पुख्ता आधार दे सकती हैं- 'प्रतिबंध के बाद ...प्रवृत्ति बदल गई और बिहार में कम से कम साप्ताहिक रूप से शराब के सेवन में 7.8 प्रतिशत तक की गिरावट आई, जबकि पड़ोसी राज्यों में यह बढ़कर 10.4 प्रतिशत हो गई। ... बिहार में महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा में कमी के सबूत भी मिले और भावनात्मक हिंसा में 4.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट और यौन हिंसा में 3.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गई।' प्राय: शराब पर प्रतिबंध की बातें तो खूब होती हैं, लेकिन सरकारें इस दिशा में कम ही इच्छाशक्ति दिखा पाती हैं। अगर शराबबंदी लागू कर भी दें तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि लोग तुरंत नशे से दूर हो जाएंगे। यह एक लंबी लड़ाई है, जिसे कई स्तरों पर लड़ना होगा। अतीत में ऐसा देखा गया है कि शराब पर प्रतिबंध के बाद तस्करी के मामले बढ़ गए। लोग सीमावर्ती राज्य में जाकर शराब पीने लगे। अगर सरकार ने उन राज्यों से लगती सीमाओं की कड़ी निगरानी शुरू कर दी तो अपने यहां शराब माफिया पनपने लगा, कच्ची शराब की भट्टियां लग गईं। यह शराब चोरी-छिपे और काफी ऊंची कीमत पर पहुंचाई जाने लगी। इस बीच कुछ भ्रष्ट अधिकारी भी जमकर चांदी कूटते हैं। अगर जहरीली शराब बन गई तो एक ही दिन में दर्जनों लोग काल के ग्रास बन जाते हैं। उसका ठीकरा भी सरकार के सिर फोड़ा जाता है। अगर सरकार ऐसी भट्टियों पर सख्ती करना शुरू कर दे और शराब मिलना लगभग असंभव हो जाए तो लोग नशे के दूसरे विकल्प अपनाने लगते हैं। सरकार कहां तक रोकेगी? शराब हो या कोई अन्य मादक पदार्थ, उस पर प्रतिबंध लगाने का स्वागत होना चाहिए, लेकिन जब तक लोग इच्छाशक्ति नहीं दिखाएंगे, खुद को ऐसे पदार्थों से दूर नहीं करेंगे, सरकारों के प्रयास अधिक कारगर नहीं होंगे। शराब, गांजा, भांग, तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा ... समेत तमाम नशीले पदार्थ नुकसान ही करते हैं। लोगों, खासकर किशोरों और युवाओं को इनसे दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

देश को पता है, 4 जून से ही भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का काउंटडाउन शुरू हो जाएगा। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मतलब है.... हर भारतवासी के पास आगे बढ़ने के ज्यादा मौके, हर भारतवासी के पास अपनी आय बढ़ाने के ज्यादा मौके।

-नरेन्द्र मोदी

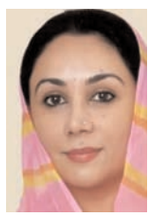

मिजोरम में साइक्लोन रेमल के कारण हुए लैंडस्लाइड से 13 लोगों की मृत्यु व कई लोगों के लापता होने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई। सरकार से आग्रह है कि साइक्लोन रेमल से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करे और लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए खास कैंपेन चलाए जाएं।

-दीया कुमारी

सदन में सभी दलों ने सामूहिकता से देश को प्रगतिपथ पर नई ऊर्जा से गतिमान किया। प्रधानमंत्री द्वारा संसद के नए भवन के लोकार्पण की प्रथम वर्षगांठ पर हृदय में यह विश्वास है कि अमृतकाल में यह भवन हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित करेगा।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

कोमल और कठोर

नवनिर्मित कुएं की सपाट सतह पर पनिहारिन ने कोरा मटका रखने की चेष्टा की, किंतु मटका समतल जगह पर स्थिर न रह सका। कुएं की जगत का पत्थर हंसा और अभिमान से फूलकर बोला, 'कहीं गोल आधार की वस्तु भी क्या समतल जगह पर स्थिर रह सकती है?' घड़ा मौन था। पनिहारिन जगती की बात सुनकर मुस्कुरा दी। काफी दिनों बाद जगत के पत्थर पर स्वत: एक खड्डा बन गया था। पनिहारिन नित्य आती और उस खड्डे में अपना घड़ा रख देती। अब घड़ा अपनी जगह स्थिर रहता। फिर एक दिन घड़े ने जगत के पत्थर से कहा, 'बंधु! एक वह दिन था जब तुम मेरी अस्थिरता देखकर मुझ पर हंस रहे थे। आज देखो मैंने निरंतर सुकोमल रगड़ से तुम्हारे कठोर हृदय में अपनी गोलाई के अनुरूप खड्डा बना लिया है।' इस बार जगत का पत्थर मौन था। उसके पास कहने के लिए कुछ न था। पनिहारिन दोनों की बात सुनकर मुस्कुरा भर दी।

सामयिक

राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है।

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है।

यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं।

लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए।

लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी। यही युवा, सक्रिय नागरिक और प्रफेशनल अपने पेशे, अपने तौर-तरीकों और नागरिकों मूल्यों की वजह से दूसरों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभायेंगे। यही लोग अगली पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बन जायेंगे। हमें भारत के विशाल प्रांगण में हर कोने में ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। ऐसे लोगों की तलाश और उन्हें लोकतंत्र के प्रशिक्षण का समुचित प्रबंध होना जरूरी है।

लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिये और नये लीडर तलाशने के लिये जरूरी है कि राजनीति के प्रशिक्षण का उपक्रम विभिन्न स्तरों पर संचालित होना चाहिए। न्यूनतम योग्यता एवं न्यूनतम प्रशिक्षण तय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, ग्रामीण रोजगार, शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, स्वास्थ्य और कुपोषण, जवाबदेही और पारदर्शिता, चुनाव और पुलिस सुधार, मानवाधिकारों की रक्षा और संसाधनों का बराबर इनका मिशन होना चाहिए। इसलिए परिवर्तन के लिए पहले ऐसे लीडर तैयार करने होंगे। सेमिनारों, वाद-विवादों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मांगकर उनकी पहचान की जा सकती है। लीडरों का सशक्तीकरण करें, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें। ऐसे दूसरे संगठनों और दबाव समूहों की पहचान करें जो अराजनीतिक और अनौपचारिक तंत्र के हिस्से हों, जैसे एनजीओ और उन्हें नीतियों के निर्माण और उनके आकलन में सहभागी बनाएं।

मुद्दा

क्या तपती धरती अशक्तों के कंक्रीट महल से भरेगी?

आयुषी दवे

aayushi.dnpgmail.com

दुनिया और कितनी गर्मी झेलने को तैयार है? यह सवाल बेहद गंभीर है और लोग इससे कब तक बेखबर रहेंगे यह समझ से परे है। अब तो इंसान क्या दूसरे जीव, जन्तु भी गर्मी से बेहाल होकर इस कदर बेकाबू हो रहे हैं कि कई तरह की तबाहियों का कारण बने हुए हैं। लेकिन हम हैं कि अपनी प्यारी धरती की तपिश को बजाए कम करने के और बढ़ाए जा रहे हैं। दुनिया में क्या धरती का तापमान बढ़ाकर ही विकास की कहानी लिखी जा सकती है? क्या दुनिया में अबकी बार साल 2023 से अधिक गर्म 2024 कहलाएगा? जलवायु शोधकर्ता इसी पर चिंतित हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि वैज्ञानिकों ने ही खुलासा किया था कि पिछले साल उत्तरी गोलार्ध में इतनी गर्मी पड़ी कि करीब 2,000 साल का रिकॉर्ड टूटा और इसीलिए 2023, धरती पर अब तक का सबसे गर्म वर्ष कहलाया। अब इंग्लैंड में रोहेम्पटन विश्वविद्यालय का सामने आया नया शोध बेहद चिंताजनक है जो बताता है कि जब पृथ्वी का बाहरी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो जाता है तो इंसान का शरीर इससे ज्यादा गर्मी सहन करनी की शक्ति खोने लगता है। इसके चलते कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। अनेकों चिकित्सकीय शोधों से भी साफ हो चुका है कि मानव शरीर अनुकूल परिस्थितियों तक ही तापमान सहजता से सहन कर पाता है। प्रतिकूल परिस्थितियों में कई अंगों के प्रभावित होने या शिथिल या काम बंद कर देने के खतरे बढ़ जाते हैं। सबको पता है कि शरीर का 70 फीसदी से ज्यादा हिस्सा जलतत्व से निर्मित है। यही शरीर के तापमान को स्थिर बनाए रखने के लिए गर्मी से मुकाबला करते हैं। इसका साधारण उदाहरण शरीर में गर्मी लगते ही पसीना आना है। लेकिन जब शरीर में मौजूद जलतत्व, पसीना बनकर उड़ जाएगा तो स्वाभाविक है कि शरीर में पानी की कमीं होगी। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वहीं शरीर के कई ऐसे संवेदनशील आंतरिक अंग हैं जो पानी या जलतत्व के निश्चित मात्रा में रहे आने पर ही सुचारू पूर्वक काम करते हैं। जब भीषण गर्मी में लगातार शरीर में पानी की आवश्यक मात्रा को बनाए रखना अनजाने या मजबूरी में संभव नहीं हो पाता है तब इसका असर हमारे आंतरिक अंगों पर भी पड़ता है। इससे शरीर कई गंभीर बीमारियों का अनायास शिकार हो जाता है। शरीर में जलतत्व की कमीं का प्रभाव लोगों पर सेहत के हिसाब से अलग-अलग पड़ता है। किसी को चक्कर आता है तो कोई सिरदर्द की शिकायत करता है। कई बेहोश हो जाते हैं तो किसी की नाक से खून आ जाता है। कई लोगों को सांस में दिक्कत होने लगती है। कई कारण हैं जो बाहर से तो समझ आ जाते हैं लेकिन आंतरिक अंगों पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणाम बाहर न तो दिखते हैं और न ही जल्द समझ आते। यही बहुत हानिकारक होते हैं। सांस फूलने से हृदय में रक्त का प्रवाह अनियमित हो जाता है। फेफड़ों पर भी बुरा असर पड़ता है। रक्तचाप भी अनियंत्रित हो जाता है और मौत तक संभव है। हम भारत के संदर्भ में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी को देखें तो इससे जहां आम मध्यम लोगों में गुर्दों पर बुरा असर पड़ने के साथ हृदय या सांस संबंधी बीमारियां एकाएक बढ़ सकती हैं।

ऐसा नहीं है कि गर्मी को लेकर चिंता केवल भारत में ही सबसे ज्यादा है। यूरोप के तो आंकड़े सामने हैं जब 2022 की गर्मियों में करीब 61,000 लोगों की मौत हुई। वहां भी कुछ वर्षों में तेज गर्मी के चलते जंगलों में भीषण आग लग रही है। बड़े पैमाने पर सूखा पड़ रहा है। यह सब बेहद चिंताजनक है। सोचिए, इस स्थिति में पहुंचने के बाद भी हम कब तक अनजान रहेंगे? सबको पता है कि विकास के नाम पर हो रहे ताबड़तोड़ निर्माण और प्राकृतिक संरचनाओं से लगातार छेड़छाड़ के अलावा बेतहाशा कार्बन उत्सर्जन जिनमें प्राकृतिक संसाधनों जैसे जीवाश्म ईंधन जलाने, जंगलों को काटने और पशुधन की खेती से जलवायु और पृथ्वी के तापमान पर तेज प्रभाव पड़ रहा है। इससे वायुमंडल में प्राकृतिक रूप से मौजूद ग्रीनहाउस गैसों में भारी मात्रा में प्रदूषित गैसें, धुंआ आदि जुड़ जाती हैं और ग्रीनहाउस प्रभाव और 'भूमण्डलीय ऊष्मीकरण' यानी ग्लोबल वार्मिंग बढ़ जाती है। प्राकृतिक गैसों, पेट्रोलियम, कोयला, खनिज व दूसरे तत्वों के लगातार दोहन और उपयोग से निकलती प्रदूषित गैसों और दूसरे हानिकारक तत्वों से दूषित होते वायुमण्डल के अलावा निरंतर छलनी होते जंगल, पहाड़, नदियां अन्य अनेकों प्राकृतिक संपदाओं का क्षरण, दोहन तापमान बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। इसी बेतरतीब दोहन से निरंतर बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भूतल से लेकर नभ तक प्रदूषित कर रहा है। प्रकृति का सारा का सारा प्राकृतिक नियंत्रण डगमगाया हुआ है।

जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाले 99 प्रतिशत से ज्यादा वैज्ञानिक मानते हैं कि इसका सबसे अहम कारण इंसानी करतूते हैं जो कंक्रीट के विकास के दिखावे के लिए विनाश की गाथा लिख रहे हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग से निपटने के लिए दुनिया के क्षत्रपों के पास बड़ी-बड़ी कागजी योजनाएं हैं। पेरिस जलवायु समझौता-2015 अहम है जो उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को सीमित करने पर केन्द्रित है। लेकिन इसे 10 साल होने को हैं पर लगता है कि क्या किसी भी देश ने इस पर ठोस काम किया? जवाब आपके पास भी है। ऐसे में भला कैसे बढ़ता तापमान नियंत्रित होगा, कैसे प्रकृति से इंसाफ होगा और कैसे हम अपनी भावी पीढ़ी को न्याय की गारण्टी दे पाएंगे? निश्चित रूप से जब तक पूरी दुनिया में एक-एक इंसान इसे नहीं समझेगा, तब तक विनाश की ओट में विकास की पल-पल लिखी जा रही गाथा भी नहीं रुकेगी। लगता नहीं कि फिर हम जानते हुए, भविष्य में रुग्ण, अशक्त मानव बस्तियों के कंक्रीट महलों की तैयारी में हैं।

नजरिया

विश्व शांति में शांति रक्षकों की भूमिका

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो अपनी स्थापना के बाद से ही विश्व शांति के साथ-साथ मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यरत रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 29 मई 1948 को पहला संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन स्थापित किया गया था। उस समय इजरायल तथा अरब देशों के बीच फैली अशांति को दूर करने के लिए वहां यूएन द्वारा शांति रक्षक सैनिकों की तैनाती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप तथा मध्य पूर्व में 71 शांति अभियानों की स्थापना की गई। दुनियाभर में शांति बहाल करने में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों की अहम भूमिका रहती है, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जान दांव पर लगाकर कार्य करते रहे हैं और फिलहाल विश्वभर में एक लाख से भी अधिक पुरूष व महिला बतौर शांति रक्षक यूएन के शांति अभियानों में संलग्न हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में सबसे ज्यादा संख्या इथोपिया और बांग्लादेश के

शांति रक्षकों की है और इन दोनों देशों के बाद इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले देशों में भारत है। फिलहाल सात हजार से भी अधिक भारतीय सैन्य और पुलिस जवान अफगानिस्तान, कांगो, हैती, लेबनान, लाइबेरिया, मध्य पूर्व, साइप्रस, दक्षिण सूडान, पश्चिम एशिया और पश्चिम सहारा में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में शांति रक्षा के लिए तैनात हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2002 में प्रस्ताव संख्या ए/ईएस/57/129 के जरिये आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पहली बार शांति रक्षा मिशन' को अधिकार दिए गए और 29 मई को शांति रक्षक दिवस' के रूप में नामित किया गया, तभी से प्रतिवर्ष इसी दिन को संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की अपनी कोई स्वतंत्र सेना नहीं होती और शांति रक्षा का प्रत्येक कार्य सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित होता है। यूएन के शांति रक्षा कार्यों में भाग लेना वैकल्पिक होता है और कनाडा तथा पुर्तगाल ही विश्व में अब तक सिर्फ दो ऐसे देश हैं, जिन्होंने प्रत्येक शांति रक्षा अभियान में हिस्सा लिया है। शांति रक्षक दल संयुक्त राष्ट्र को उसके सदस्य देशों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जो प्रायः ऐसे क्षेत्रों में भेजे जाते हैं, जहां हिंसा कुछ समय पहले से बंद है ताकि वहां शांति संघ की शर्तों को लागू रखते हुए हिंसा को रोककर रखा जा सके।

यूएन का शांति रक्षा मिशन इस साल अपनी 76 वीं सालगिरह मना रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि दुनिया भर में हिंसक संघर्षों में फंसे लाखों लोगों के लिए शांति रक्षा एक आवश्यकता एवं आशा है तथा शांति रक्षा को और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए जरूरत है कि हम सब मिलकर इसके लिए काम करें ताकि लोगों को सुरक्षा दी जा सके और शांति को बढ़ावा मिल सके। उनका कहना है कि वैश्विक शांति और सुरक्षा में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा एक अहम निवेश है लेकिन इसके लिए मजबूत अंतर्राष्ट्रीय संकल्प चाहिएं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक्शन फॉर पीस कीपिंग' पहल की शुरूआत की गई है, जिसका मूल उद्देश्य यूएन मिशनों को मजबूत, सुरक्षित और भविष्य के लिए उपयुक्त बनाना है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रानौत मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के कोटली में आम चुनाव 2024 के लिए एक सार्वजनिक बैठक में।

श्रीलंका को 46 वर्षीय शख्स पर भारत में गिरफ्तार लोगों का आका होने का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के सुरक्षा बलों को शक है कि एक 46 वर्षीय शख्स उन चार श्रीलंकाई नागरिकों का आका है जिन्हें पिछले हफ्ते भारत के अहमदाबाद हवाई अड्डे पर प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के साथ कथित संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है।

'न्यूज़फर्स्ट' समाचार पोर्टल द्वारा सोमवार को दी गई खबर के मुताबिक, श्रीलंका पुलिस ने बताया कि संदिग्ध उस्मानद जेर्राड डेमाटागोडा का निवासी है और अक्सर अपना हुलिया बदलता रहता है।

समाचार पोर्टल ने मंगलवार को कहा कि माना जाता है कि जेर्राड श्रीलंका के संदिग्ध नागरिकों की भारत आने जाने में मदद करता है।

श्रीलंका पुलिस ने संदिग्ध के ठिकाने की विश्वस्त सूचना देने पर हाल में 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

भारत में गिरफ्तार श्रीलंकाई लोगों को लेकर श्रीलंका और भारत के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान शुरू हो गया है। समाचार पोर्टल ने मंगलवार को कहा कि इस सहयोगात्मक प्रयास में श्रीलंका सेना खुफिया प्रभाग और पुलिस आतंकवादी जांच प्रभाग दोनों शामिल हैं।

गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने 19 मई को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे पर आईएसआईएस से कथित रूप से जुड़े चार श्रीलंकाई लोगों को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने भू-निर्देशांक के आधार पर अहमदाबाद में एक स्थान से तीन पिस्तौल और कारतूस के साथ ही उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन जब्त किया।

चारों लोग इंडिगो की उड़ान से 19 मई को कोलंबो से चेन्नई आए थे। समाचार पोर्टल ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों में शामिल मोहम्मद नुसरत कारोबारी है और वह सिंगापुर, मलेशिया और दुबई जैसे देशों से दूरसंचार उपकरण और विद्युत उपकरणों के आयात का कारोबार करता है।

वहीं, 27 वर्षीय मोहम्मद नफरान कुख्यात अंडरवर्ल्ड अपराधी नियास नौफर उर्फ 'पोट्टा नौफर' की पहली पत्नी का बेटा है। 'पोट्टा नौफर' को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शरत अंबेपिटिया की हत्या के जुर्म में मौत की सजा सुनाई गई थी।

समझौता

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने हाइड्रोजन उत्पादन के लिए 50 किलोवाट क्षारीय इलेक्ट्रोलाइज़र सिस्टम के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर, बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास), जय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति में बीएचईएल के कॉर्पोरेट प्रौद्योगिकी प्रबंधन और कॉर्पोरेट आर एंड डी के कार्यकारी निदेशक के. रविशंकर और बीआरसी के एसोसिएट निदेशक डॉ. एस अधिकारी ने हस्ताक्षर किए। बीएचईएल, बीएआरसी के साथ इस सहयोग के माध्यम से, स्वदेशी क्षारीय इलेक्ट्रोलाइज़र प्रौद्योगिकी को बढ़ाने और रिफाइनरी, उर्वरक, इस्पात, परिवहन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में आवेदन के लिए इसका व्यवसायीकरण करने का इरादा रखता है। यह 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' में बीएचईएल के योगदान में एक कदम आगे होगा।

पापुआ न्यू गिनी में एक और भूस्खलन की आशंका

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)। पापुआ न्यू गिनी के जिस गांव में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों की जान चली गई, वहां प्राधिकारियों ने दूसरे भूस्खलन की आशंका जताई है और शवों के मलबे में दबे होने एवं पानी के कारण बीमारी फैलने का भी खतरा है।

पापुआ न्यू गिनी की सरकार के एक अधिकारी ने संयुक्त राष्ट्र को बताया है कि पिछले शुक्रवार को हुए भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोगों के जिंदा दफन होने का अनुमान है। उसने राहत एवं बचाव कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है।

इससे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी।

सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है। देश की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम में एंगा प्रांत के यमबली गांव में शुक्रवार को भूस्खलन हुआ था। पापुआ न्यू गिनी में आईओएम मिशन प्रमुख सेरहान एक्टोप्राक ने बताया कि हालिया बारिश और जमीन एवं मलबे के बीच जलधाराओं के फंसने से मलबे की परत और अधिक अस्थिर हो गई है।

पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण ने 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' सुनिश्चित किया : शहबाज शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पहले सफल परमाणु परीक्षण की 26वीं वर्षगांठ मनाते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि यह ''विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध'' स्थापित करने की दिशा में देश के कठिन लेकिन उल्लेखनीय मार्ग को दर्शाता है। पाकिस्तान ने भारतीय सेना के पोखरण परमाणु परीक्षण के जवाब में बलूचिस्तान प्रांत के दूरस्थ चागई पर्वत में एक गहरी सुरंग खोदकर 28 मई 1998 को छह परमाणु परीक्षण किए थे।

पाकिस्तान उसके रक्षा भंडार में परमाणु हथियार रखने वाला 1998 में दुनिया का सातवां परमाणु संपन्न देश और पहला मुस्लिम देश बन गया था।

पाकिस्तान के इस सफल परमाणु परीक्षण को ''यौम-ए-तकबीर'' कहा जाता है जिसका अर्थ ''महानता का दिवस'' या ''ईश्वर की महानता का दिवस'' है। इसे हर साल राष्ट्रीय उत्साह के साथ मनाया जाता है। शरीफ ने हाल फिलहाल में पहली बार मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में देश को बधाई देते हुए शरीफ ने कहा कि यह दिन राष्ट्रीय शक्ति के सभी पहलुओं के सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''28 मई महज एक दिवस के स्मरणोत्सव से कहीं अधिक का प्रतीक है : यह एक विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध स्थापित करने की दिशा में हमारे देश के कठिन लेकिन उल्लेखनीय मार्ग को दर्शाता है।

1998 में इस ऐतिहासिक दिन पर प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने के लिए अत्यंत दबाव और प्रलोभनों को अस्वीकार कर साहसिक नेतृत्व दिखाया था।''

शरीफ के बयान में परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान के नाम का जिक्र नहीं है जिन्होंने लगभग दो दशकों तक एहतियातन हिरासत में रहने के बाद इस कार्यक्रम में अहम भूमिका निभायी थी।

'36 डेज' में नजर आयेगी नेहा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

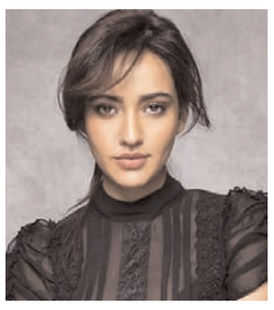

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा सोनी लिव के शो 36 डेज़ में नजर आयेगी। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज में नेहा शर्मा,पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगीकर, शेरनाज़ पटेल, फैशल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई नज़र आएंगे। यह सस्पेंस और रहस्य से भरी एक रोमांचक सीरीज़ है। इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है।मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज करते हुए यूट्यूब पर कैप्शन में लिखा है, 'हर कहानी के तीन पहलू होते है- एक आप क्या सोचते हैं, दूसरा मैं क्या सोचता हूं और तीसरा कि सच क्या है। लेकिन क्या हो, अगर सच कहीं दूर दीवारों के पीछे छुपा बैठा हो।'36 डेज़ का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज़ इंडिया के सहयोग से अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। यह सीरीज़ यूके शो 35 डेज़ का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है, जिसे एस4सी के लिए बूम सिमरू ने प्रोड्यूस किया था और आईटीवी स्टूडियो ने डिस्ट्रीब्यूट किया था। यह शो जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

स्वागत

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी मंगलवार को हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए एक सार्वजनिक बैठक में।

वाणी कपूर ने महाकाल में लिया आशीर्वाद, 'नंदी' को बताई अपनी इच्छा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस वाणी कपूर ने मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर मंदिर दर्शन की कई तस्वीरें भी शेयर की, जिनमें वह पिंक साड़ी पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों का लो बन बनाया हुआ है और अपने लुक को इयररिंग्स से पूरा किया है। एक तस्वीर में वाणी 'नंदी' के कानों में अपनी इच्छा कहती दिख रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में वह हाथ जोड़कर भगवान शिव का आशीर्वाद ले रही हैं। वाणी 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'बेल बॉटम' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में अमित त्रिवेदी के स्पिरिचुअल सॉन्ग 'जयकाल महाकाल' की ट्यून ऐड की। एक्ट्रेस ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, जय महाकाल। वाणी ने 2013 में परिणीति चोपड़ा और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत स्टारर रोमांटिक कॉमेडी 'शुद्ध देसी रोमांस' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह तमिल फिल्म 'अहा कल्याणम' और हिंदी फिल्म 'बेफिक्रे' और 'वॉर' में नजर आईं। वाणी को पिछली बार 2022 की पीरियड ड्रामा 'शमशेरा' में रणबीर कपूर के साथ देखा गया था। उनकी अपकमिंग फिल्मों में 'खेल खेल में', 'रेड 2', 'बदतमीज गिल' और 'मंडला मर्डर्स' हैं। बता दें कि वाणी का जन्म 23 अगस्त 1988 को राजधानी दिल्ली में हुआ था। उन्होंने इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) से टूरिज्म में ग्रेजुएशन किया हुआ है। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने जयपुर के ओबेरॉय होटल में इंटर्नशिप की और फिर आईटीसी के एक होटल में काम करने लगीं। एक दिन उनके होटल में किसी फिल्म की शूटिंग चल रही थी, जिसके देखने के बाद उनके मन में भी एक्ट्रेस बनने की इच्छा जागी। एक्ट्रेस बनने के फैसले में उनकी मां ने तो उनका साथ दिया, लेकिन उनके पिता इसके खिलाफ थे। वह वाणी की मॉडलिंग को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। अपने सपने को पूरा करने के लिए वाणी ने मॉडलिंग के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी कदम रखा।

गर्मी

नयी दिल्ली में मंगलवार को गर्मी के दिनों में चिलचिलाती धूप से बचने के लिए महिलाएं अपने चेहरे को स्कार्फ से ढकती हुई।

प्रियंका चोपड़ा ने कान में इतिहास रचने के लिए भारतीय विजेताओं को दी बधाई

मुंबई/एजेन्सी

77वें कान फिल्म फेस्टिवल में कई भारतीय सितारों ने अवॉर्ड्स हासिल कर देश का मान बढ़ाया। इस उपलब्धि को लेकर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस ने सभी को बधाई दी। सोमवार को, प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में विजेता अनसूया सेनगुप्ता, पायल कपाड़िया और चिदानंद एस नाइक को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि अनसूया ने कान में फिल्म 'द शेमलेस' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। पायल को उनके डेब्यू फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए 'ली ग्रां प्री' अवॉर्ड मिला और चिदानंद ने शॉर्ट फिल्म 'सनफ्लावर वर द फर्स्ट वन्स टु नो' के लिए ला सिनेफ अवॉर्ड अपने नाम किया। एक्ट्रेस ने तीन अलग-अलग स्टोरी शेयर कीं। एक अनसूया के लिए, एक पायल और एक चिदानंद के लिए थी। अनसूया की सराहना करते हुए, प्रियंका ने लिखा, आपकी अविश्वसनीय परफॉर्मेंस और आपने जो इतिहास रचा है, उसके लिए आपको ढेर सारी बधाई।

पायल के लिए उन्होंने लिखा कि यह भारतीय सिनेमा के लिए गौरव का क्षण है, सभी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।'' प्रियंका ने चिदानंद के लिए लिखा, इस सम्मान के लिए आपको बधाई... आप इसे डिजर्व करते हैं। इस बार कान फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रदर्शन सबसे बेहतरीन सालों में से एक रहा। पायल की फिल्म की कान फिल्म फेस्टिवल के पाल्मे डी'ओर में स्क्रीनिंग हुई, जो 1994 में रिलीज हुई 'स्वाहम' के बाद मेन सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली 30 सालों में पहली भारतीय फिल्म बन गई। बता दें कि कान फिल्म फेस्टिवल 2024 का आगाज 14 मई को हुआ और समापन 25 मई को। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2019 में कान में डेब्यू किया था। वह हर साल अपने हटकर लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। प्रियंका के अलावा, आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर और बाकी सेलेब्स ने कान में पुरस्कार जीतने को लेकर बधाई दी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में वाइल्डलाइफ डॉक्यूमेंट्री 'टाइगर' में नैरेटर के तौर पर अपनी आवाज दी है। इसकी कहानी अंबर नाम की एक बाघिन पर आधारित है, जो भारत के जंगल में अपने बच्चों को पाल रही है।

सलमान की 'सिकंदर' में खलनायक बनने की होड़ में सबसे आगे चल रहे हैं अरविंद स्वामी और प्रकाश राज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिल्म 'सिकंदर' में खलनायक की भूमिका निभाने की होड़ में अभिनेता अरविंद स्वामी, प्रकाश राज और कार्तिकेय सबसे आगे चल रहे हैं। निर्देशक एआर मुरुगादॉस ने खलनायक को ध्यान में रखते हुए कई शानदार एक्शन दृश्यों की योजना बनाई है। इस साल ईद अवसर पर सलमान खान ने अपनी नई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर' के निर्माण का ऐलान किया था। कुल 400 करोड़ रुपये की लागत वाली इस फिल्म में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। सलमान खान ने 'सिकंदर' की तैयारी शुरू कर दी है और वह अपनी अगली एक्शन थ्रिलर के लिए तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश के बरनावा गांव से कान तक का सफर

नैंसी त्यागी ने फैशन जगत में बनाई पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कान फिल्म महोत्सव में, खुद के सिले कपड़े पहनकर फैशन जगत में तहलका मचाने और अप्रत्याशित रूप से प्रसिद्धि हासिल करने वाली नैंसी त्यागी अचानक 'ग्लैमर' की दुनिया में चर्चा का केंद्र बन गई हैं। अब सब पूछ रहे हैं 'कौन है नैंसी त्यागी'? उत्तर प्रदेश के बरनावा गांव की 23 वर्षीय नैंसी ने कान फिल्म महोत्सव में रेड कार्पेट पर कदम रखे और उसके बाद कुछ ही दिन के भीतर इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर की संख्या अचानक तेजी से बढ़कर सात लाख से 20 लाख तक जा पहुंची। सोशल मीडिया पर छा चुकी और मुख्य धारा की मीडिया की खबरों में आईं नैंसी से सोनम कपूर जैसी अभिनेत्रियों ने अपने परिधान डिजाइन करने को कहा है।

नैंसी के कान तक पहुंचने के सफर के पीछे की कहानी काफी दिलचस्प है। वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए 2020 में दिल्ली आई थीं लेकिन वित्तीय तंगी के कारण ऐसा नहीं कर सकीं। उन्हें फिल्म महोत्सव में एक 'फैशन इंफ्लुएंसर' के रूप में आमंत्रित किया गया था और वह शुरूआत में थोड़ी डरी हुई थीं। नैंसी ने कहा, लेकिन मेरी टीम ने मुझे राजी कर लिया और मैं वहां गई। ऐसा लग रहा है कि यह मेरे जीवन का सबसे सही फैसला था। कार से नीचे उतरने तक मैं डरी हुई थी लेकिन जैसे ही उतरी मुझे बिल्कुल अलग ही अहसास हुआ।

हाल में संपन्न हुए कान फिल्म महोत्सव में भागीदारी करने वाली युवा डिजाइनर ने कहा, मैंने तस्वीरें खिंचवाईं। वे वायरल हो गईं और लोगों को ये पसंद आईं। मैं उनकी बहुत आभारी हूं। मैं कान पहुंचीं इंफ्लुएंसर में एक थी। मैं खुश हूं कि हमारा देश प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह अब सोनम कपूर के लिए परिधान तैयार करना चाहती हैं। कपूर फैशन के प्रति अपनी विशेष रूचि के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने कान में पहने गए नैंसी की ड्रेस की प्रशंसा की है तथा इंस्टाग्राम पर उसे साझा भी किया। सप्ताह भर पहले तक बहुत से लोगों ने नैंसी के बारे में नहीं सुना था। फिर उन्होंने अपने परिधानों से शौकिया फोटोग्राफरों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। इसके बाद वह फैशन और ग्लैमर की दुनिया की जानी मानी हस्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा में पहुंच गईं।

इंस्टाग्राम के अलावा यूट्यूब पर भी उनके 10 लाख फॉलोअर हैं। कान फिल्म महोत्सव में पहनने के लिए नैंसी ने चार परिधान डिजाइन किए थे, जिन्हें तैयार करने में उन्हें दो महीने लगे। उन्होंने 30 दिनों में 1,000 मीटर कपड़े से बना 20 किलोग्राम वजन का खूबसूरत गुलाबी गाउन तैयार किया। इसके बाद उन्होंने तीन ड्रेस और बनायीं जिनमें हाथ की भारी कसीदाकारी से सजी लैवेंडर रंग की साड़ी, फिशकट स्कर्ट और कोर्सेट टॉप प्रमुख थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 29-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय वर्धमान जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में गुरु पुष्कर नरेश स्वाध्याय भवन का उद्घाटन उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी म.सा. व शालिभद्रजी म.सा. के सान्निध्य में रविवार को सम्पन्न हुआ। राष्ट्रसंत उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी म.सा. ने इस मौके पर प्रवचन में कहा कि व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान होता है।

राकेश छाजेड़ बने राजराजेश्वरी नगर तेरापंथ सभा के नये अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां राजराजेश्वरीनगर के जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा की वार्षिक साधारण सभा 27 मई को अध्यक्ष छत्तरसिंह सेठिया की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में हुई। सभा के पूर्व अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी एवं साध्वीश्री उदितयशाजी से मंगल पाठ श्रवण किया। नमस्कार महामंत्र से शुरु हुई सभा में सरोज आर बैद ने श्रावक निष्ठा पत्र का वांचन किया।

अध्यक्ष सेठिया ने सभी महानुभावों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं साध्वी प्रमुखाश्रीजी से एवं बेंगलूरु में चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की जिनका मार्गदर्शन निरन्तर मिलता रहा है। अपने दो साल के कार्यकाल की सफलता का श्रेय अपने पूर्व अध्यक्षों, कैबिनेट, कार्यकारिणी सदस्यों, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल एवं श्रावक समाज को दिया जिनके साथ एवं सहयोग से सभी कार्य संपन्न हुए।

सभा के प्रथम अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ एवं निवर्तमान अध्यक्ष मनोज डागा ने पूरी टीम को बधाई देते हुए आगामी कार्यकाल की सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित की। दो वर्ष के गति-प्रगति का वर्णन मंत्री हेमराज सेठिया ने किया। कोषाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने व्यवस्थित रूप से गत वर्ष के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने बताया इस वर्ष 15 नये बच्चे ज्ञानशाला से जुड़े हैं तथा ज्ञानशाला सुचारू रूप से नियमित चल रही है। संगठन मंत्री राजेश छाजेड़ ने इस क्षेत्र के सभी परिवारों को सभा से जोड़ने हेतु सघन सदस्यता अभियान चलाने एवं आजीवन सदस्यता फीस को कम करने का प्रस्ताव रखा जिसे कुछ विचार-विमर्श के बाद पारित किया गया। ततपश्चातन पुन: अंकेक्षक के रूप में जीएल कोठारी कं. को आगामी दो वर्ष के लिए नियुक्त किया गया। तत्पश्चात वर्तमान कार्यसमिति के सभी सदस्यों ने अपने पद का विसर्जन किया।

चुनाव अधिकारी धनराज टाँटिया एवं सह-अधिकारी विकास दुगड़ ने मनोनयन की प्रक्रिया को शुरू करते हुए एकमात्र प्राप्त नामांकन के आधार पर वर्ष 2024-26 के अध्यक्ष पद हेतु राकेश छाजेड़ के नाम की घोषणा की। सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने ओम अर्हम की हर्षमिश्रित जोरदार ध्वनि के साथ नवमनोनीत अध्यक्ष महोदय का स्वागत किया। छत्तरसिंह सेठिया ने नवनियुक्त अध्यक्ष को जैनपट्ट एवं माला पहनाकर अध्यक्ष पद पर स्थापित किया। नवमनोनीत अध्यक्ष को हार्दिक बधाई एवं सदैव साथ देने का विश्वास दिलाया एवं सक्षम हाथों में मंडल की बागडोर सौंपने पर गर्व व्यक्त किया। इस मौके पर सभी ने उन्हें बधाई दी।

नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु इंगित की आराधना करते हुए सबको साथ में लेकर सदस्यों में आध्यात्मिकता का पोषण होता रहे ऐसी भावना से पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने का सम्यक प्रयास करूंगा तथा अपने मंत्री के रूप में गुलाब बाँठिया के नाम की घोषणा की। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को डायरी-पेन से सम्मानित किया गया। साधारण सभा का संचालन सरोज आर बैद ने तथा आभार गुलाब बाँठिया ने व्यक्त किया।

धर्म का पहला पायदान है दान, जिससे हम 'स्व' व 'पर' का हित साध सकते हैं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

चित्रदुर्गा में गुरु पुष्कर नरेश स्वाध्याय भवन का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। स्थानीय वर्धमान जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में गुरु पुष्कर नरेश स्वाध्याय भवन का उदघाटन उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी म.सा. व शालिभद्रजी म.सा. के सान्निध्य में रविवार को सम्पन्न हुआ। राष्ट्रसंत उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी म.सा. ने इस मौके पर प्रवचन में कहा कि व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान होता है। जो कुछ भी सुविधा, महारत, अच्छी सेहत, अच्छा कुल, अच्छा खानदान, अच्छी सोच, अच्छा भाव प्राप्त हुए है यह सब विशिष्ठ पुण्य के कारण ही प्राप्त हुए है। हम चाहे तो इसी पुण्य से और पुण्य को बढ़ाकर विशुद्ध पुण्य बना सकते हैं। यदि हम अच्छे कार्य में अपनी सम्पत्ति का सदुपयोग करते है, यदि हम अच्छी सोच रखते हैं, अच्छा व्यवहार लेकर कर गतिशील बने तो हम पुण्य को द्विगुणित कर सकते है। मुनिश्री ने दानरुचि बढ़ाने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि दान, धर्म का पहला पायदान है, जिससे हम दक्षतों को उपलब्ध हो सकते है। इस माध्यम से हम अपना ही नहीं दूसरों का भी हित साध सकते हैं।

मुनिश्री शालिभद्रजी ने कहा कि जिसके पास अच्छी भावना है, वहीं व्यक्ति संसार के इतिहास में अमर हो पाया है। सम्पत्ति सभी के पास हो सकती है, पर जो सम्पत्ति का सदव्यय उदारता पूर्वक करता है, संसार उसी को पूजता है। मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण की भूमिका सदगुरु की है। सदगुरु अन्तर्चक्षु के उदघाटक होते हैं, वे बीहड़ में भी आस को जगाते हैं।

वे चेतना का कृपांतरण करते हैं। वे परमात्मा के सान्निध्य में भी ले जाने का सशक्त माध्यम है। मुनिश्री ने कहा कि हर अक्षर मंत्र बन सकता है यदि कोई उन अक्षरों को मिलाने वाला हो। हर पुस्तक शास्त्र बन सकती है यदि को समझाने वाला हो। हर जड़ी औषधि बन सकती है यदि कोई बताने वाला हो और हर आत्मा परमात्मा बन सकती है यदि को जगाने वाला हो। हमें को चलना जीना व व्यवहार करना सीखता है तो वे ही हमारे सदगुरु होते हैं।

मुनिश्री के सान्निध्य में पुष्कर नरेश स्थानक भवन का उदघाटन बीजापुर कर्नाटक निवासी बख्तावरमल माणकचन्द जोवरमल महावीरचन्द पारेख परिवार द्वारा सम्पन्न हुआ। भवन उदघाटन के बाद गौड़ी पार्श्व जैन भवन में समस्त लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। लिफ्ट के लाभार्थी बेंगलूरु निवासी अशोक महेन्द्रकुमार रांका परिवार, भवन के भूमिदानदाता परिवार आदि का भी सम्मान हुआ।

इस मौके पर भवन के शिलान्यास के लाभार्थी एवं कार्यक्रम हॉल के लाभार्थी जवेरीलाल तलेसरा एवं घीसूलाल लुंकड़ परिवार का भी संघ द्वारा सम्मान हुआ। मुख्य प्रवचन हॉल के लाभार्थी सांकरिया परिवार एवं अन्य दानवीरों का सम्मान किया गया। प्रथम तल के लाभार्थी पनराज बागरेचा, जयंतीलाल चौपड़ा, भोजन कक्ष के लाभार्थी लुंकड़ परिवार, साधना कक्ष के लाभार्थी गुमानमल कवाड़ परिवार, दिलीप चौपड़ा परिवार, अतिथि कक्ष के लाभार्थी रतनचन्द महावीरकुमार बाफना, बाबूलाल रांका, बेंगलूरु, स्वर्ण सीढ़ी के लाभार्थी अरविंद कवाड़ परिवार का स्वागत किया गया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर प्रवचन सभागार का उदघाटन खींमराज भंसाली तथा गुरु ज्येष्ठ पुष्कर देवेन्द्र दरबार का अनावरण तलेसरा परिवार ने किया।

ध्वजारोहण का लाभ आशीष गुलेच्छा परिवार तथा जयजिनेन्द्र का लाभ बाबूलाल तलेसरा परिवार ने लिया। नरेन्द्र लुंकड़ ने सभी का स्वागत किया तथा जवरीलाल तलेसरा ने धन्यवाद दिया। चन्दनबाला महिला मंडल की सदस्याओं ने मंगलाचरण किया। इस मौके पर अनेक गणमान्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सुमेर कोचर ने किया।

कार्यक्रम में चित्रदुर्गा, बेंगलूरु, गंगावती, गदग, हुब्बल्ली, कोपल, दावणगेरे, हीरियूर, बीजापुर, शिव्योमोग्गा, भद्रावती, होसपेट, बल्लारी, मैसूरु, बाणावार, सूरत,त्रिची सहित अनेक शहरों से श्रद्धालु उपस्थित थे। अनेक श्रद्धालुओं ने सहयोग राशि की घोषणा की तथा प्रत्येक रविवार सामूहिक सामायिक करने का संकल्प लिया। इस उदघाटन के अवसर पर अनेक स्थानकवासी संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

टी. दासरहल्ली सभा ट्रस्ट का तीसरा वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां टी दासरहल्ली में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा ट्रस्ट का वर्ष 2022-24 वार्षिक अधिवेशन समायोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक मंगलाचरण से हुई, सभा गीत का संगान कन्हैयालाल गाँधी, मनोज मेहता, अनिल गादिया ने किया। सभी का स्वागत ट्रस्ट अध्यक्ष नवरतनजी गाँधी ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन संस्थापक अध्यक्ष लादुलाल बाबेल ने किया तथा अपनी भावना व्यक्त की। उपाध्यक्ष लोकेश बोहरा, विनोद मेहर, सहमंत्री सुरेंद्र मेहर ने अपने विचार व्यक्त की। प्रतिवेदन ट्रस्ट मंत्री प्रवीण बोहरा ने पेश किया। आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष प्रकाश गाँधी ने पेश किया। तत्पश्चात वर्ष 2024-26 के लिए चुनाव अधिकारी राकेश दक एवं अनिल गादिया को मंच सुपुर्द किया। जिसमें उन्होंने निर्विरोध भगवतीलाल माण्डोत के नाम की घोषणा की। नवमनोनीत अध्यक्ष मांडोत ने हर कार्य में सबके साथ की अपेक्षा जताई। उपस्थित सभी ने मांडोत को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रवीण बोहरा ने दिया।

प्रवर्तिनी विचक्षणश्री का संयम शताब्दी दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बसवनगुड़ी में जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी म. सा. की निश्रा में विलक्षण व्यक्तित्व की धनी प्रवर्तिनी श्री विचक्षणश्रीजी म. सा. के शताब्दी संयम दिवस पर गुणानुवाद सभा और सामूहिक सामायिक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष तेजराज मालानी ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया और कहा कि सम्पूर्ण जैन समाज के लिए और विशेषकर खरतरगच्छ में ऐसी समतामूर्ति का होना अपने आप में गौरव की बात है। ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि कभी कभी प्रकृति की महान कृपा से विश्व को कुछ ऐसी विरल विभूति अनायास मिल जाती हैं जिन्हें पाकर यह वसुन्धरा धन्य हो उठती है। ऐसी दिव्य विभूतियों का जीवन भूली-भटकी मानवता का पथ आलोकित करता है। साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में समझाया कि साध्वी पूज्य प्रवर्तिनी का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती में सन 1912 में हुआ। आठ वर्ष में पिता के देहांत से वैराग्यवासित सांसारिक नाम दाखी ने 11 वर्ष की अल्पायु में बहुत संघर्ष के पश्चात राजस्थान के पीपाड़ नगरी में जेठ वदि पंचमी, वि.सं 1981, सन 1924 के शुभ दिन मां रूपाबाई के साथ-साथ संयम मार्ग पर अग्रसर हुई। सम्पूर्ण भारत के विभिन्न प्रांतों में पद विचरण करके उन्होंने धर्म की अलख जगाई।

ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अनेक अनछुए प्रसंगों को बताते हुए कहा कि विचक्षणश्रीजी ही एकमात्र ऐसी साध्वीजी थी जिन्होंने चिकपेट मन्दिर के 110 वर्षों के इतिहास में 45 वर्ष पूर्व स्वतंत्र चातुर्मास करके इतिहास रचा था, और अपने अद्भुत ज्ञान के द्वारा सार्थक नेतृत्व प्रदान किया। प्रवर्तिनीश्री विचक्षण श्रीजी म. सा.

ऐसी ही संत पंक्ति में आकर विराजती हैं। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि उनके व्यक्तित्व से प्रभावित अनेकानेक संतों ने व श्रीसंघों ने जैन कोकिला विश्व प्रेम प्रचारिका, व्याख्यान भारती, व्याख्यान वाचस्पति, जैन मीरा, समन्वय साधिका, शासन प्रभाविका, गुड़श्री आदि कितनी ही पदवियों से अलंकृत किया। जेठ वदि पंचमी वि. सं. 2081, 28 मई 2024 को जब उनके संयम ग्रहण को 100 वर्ष पूर्ण हुए, ऐसी मंगलमय घड़ी में सकल संघ द्वारा सामूहिक सामायिक द्वारा उनके उत्कृष्ट संयमी जीवन की अनुमोदना की गई। ऐसी विलक्षण प्रतिभा की धनी बीसवीं सदी की महान साध्वी आज हमारे बीच नहीं है पर उनके जीवन प्रसंग युग-युगों तक आदर्श बन मार्गदर्शन देते रहेंगे।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के राजेन्द्र गुलेच्छा ने साध्वी विचक्षणश्रीजी के समतामयी जीवन को दर्शाते गीत से उनको भावांजली दी। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने अपने विचार रखे।

सामूहिक सामायिक कार्यक्रम में जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल का विशेष सहयोग रहा। आज की सामूहिक प्रभावना कुसुम देवी तेजराज मालानी परिवार की ओर से प्रदान की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली, पारसमल पगारिया, अनिल भडकतिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

8 व 9 जून को होने वाले जीतो ग्रोथ समिट को लेकर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जैन व्यवसासियों, उद्योगपतियों, पेशेवरों आदि का एक वैश्विक संगठन है जो नैतिक व्यवसायिक प्रथाओं तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा जीतो ग्रोथ समिट व जीतो ट्रेड फेयर का आयोजन आगामी 8 व 9 जून को किया जा रहा है जो 2030 तक होने वाले व्यवसायिक रुझानों को प्रदर्शित करेगा।अपने क्षेत्र के सबसे बड़े व्यापारिक मेलों में से एक बनने के लिये तैयार इस ट्रेड फेयर में अनेकों श्रेणियों के उत्पादकों व विभिन्न प्रकार के व्यापारियों को अपने उत्पाद व पेशेवर सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से ट्रेड फेयर में टेक पेवेलियन, रियल स्टेट, आई टी, ज्वेलरी, परिधान, डिज़ायनर कपड़े, होम डेकॉर एवं पेशेवरों इत्यादि की स्टॉल्स प्रमुख है।

आने वाले 8-9 जून को चाम्रवज्रा में आयोजित होने जा रहे इस फेयर की स्टाल बुकिंग के बारे में जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने बताया कि 200 स्टाल की बुकिंग हो चुकी है और बाकी के स्टाल की बुकिंग का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि व्यापार मेले को मिली इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखकर वो रोमांचित है।

उन्हें पूरा विश्वास है कि यह आयोजन व्यवसासियों को ग्राहकों से जुड़ने और आगंतुकों को नये उत्पादों व सेवाओं की खोज करने का अनूठा मंच प्रदान करेगा। महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल के अनुसार आयोजन में दो दिनों में 50000 हजार से अधिक आगंतुकों के उम्मीद है और ये ऐसा अवसर है जिसे छोड़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार मेला पूरे क्षेत्र के व्यवसायों और व्यक्तियों को एक साथ लाने के जीतो के प्रयासों का एक प्रमाण है।

उनके अनुसार ग्रोथ समिट में व्यवसायिक गतिविधियों के साथ में जैन पैवेलियन, बच्चों का अखाड़ा और जैन भोजन परोसने वाला फूड कोर्ट भी होगा, जो इसे सभी उम्र के आगंतुकों के लिए एक मजेदार अनुभव बना देगा। ग्रोथ समिट व व्यापारिक मेले तथा स्टाल बुकिंग की अधिक जानकारी के लिये जीतो के चामराजपेट कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

महाश्रमणोस्तु मंगलम प्रश्नमंच प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में, तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में महाश्रमणोस्तु मंगलं आचार्य श्री महाश्रमणजी के 50वीं दीक्षा कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में धम्मो मंगल मुक्किठं पुस्तक के आधार पर प्रश्न मंच का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल की सदस्यों द्वारा मंगलाचरण से किया गया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार रखें। इस प्रश्न मंच में सभी सदस्यों ने अच्छी तैयारी के साथ भाग लिया। प्रथम मीनाक्षी बैद, द्वितीय संमता रांका एवं तृतीय सरस्वती बाफना को मंडल ने पुरस्कृत किया। संयोजिका कांता लोढ़ा ने प्रश्न मंच का संचालन किया। मंत्री ज्योति संचेती, उपाध्यक्ष लता गादिया, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, सह मंत्री वीना पोरवाल आदि सदस्य उपस्थित थीं। संगठन मंत्री पवन बाई संचेती ने आभार व्यक्त किया।

तीर्थ दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो चेप्टर बेंगलूरु नार्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा नेटवर्किंग हेतु चार दिवसीय 'एम्बार्क ऑन ए स्पिरिचुअल जर्नी' के तहत वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ की ओर यात्रा का आयोजन अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में किया गया। 42 सदस्यों के इस समूह ने अयोध्या राम मंदिर, वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर एवं बुद्ध स्तूप, गंगा घाट आरती एवं प्रयागराज संगम आदि के दर्शन किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com